मनदीप कौर, मैनेजिंग डायरैक्टर

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ

आज तक आमने-सामने

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा

Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com

RNI No-Punhin2013/54688 1-15 AUGUST-2025

एस. के. सक्सैना, मुख्य संपादक

साल 2025 /संपादक एसके सक्सैना / www aajtakaamnesaamne.com /Help Line 9878552070

दहशतगर्दों के साथ-साथ उनके संरक्षकों को भी नहीं किया जाएगा माफ-मोदी

आतंकवादियों और उन्हें पालने-पोसने वालों के बीच फर्क नहीं किया जाएगा – प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजंसी)-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लाल किले की प्राचीर से पाकिस्तान को स्पष्ट एवं कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवादियों और उन्हें पालने-पोसने वालों को ''अब हम अलग-अलग नहीं मानेंगे तथा भविष्य में किसी भी दुस्साहस की स्थिति में भारतीय सशस्त्र बल दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ''हमारे वीर जांबाज सैनिकों ने, दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है और अब भारत 'न्यूक्लियर ब्लैकमैल नहीं सहेगा। हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। उनकी इस टिप्पणी को पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की धमकी के बाद प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के निर्णय को भी उचित ठहराया और छह दशक पुराने समझौते को ''अन्यायपूर्ण और एकतरफा करार दिया। उन्होंने कहा, ''अब भारत ने तय कर लिया है, खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। अब देशवासियों को भली-भांति पता चल गया है कि सिंधु का समझौता कितना अन्यायपूर्ण है, कितना एकतरफा है। किसान हित में और राष्ट्रहित में, यह समझौता हमें मंजूर नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में पैदा हुए आक्रोश की अभिव्यक्ति है और इस अभियान से पाकिस्तान में ऐसी तबाही हुई कि उसकी नींद उड़ी हुई है तथा रोज नये खुलासे हो रहे हैं। उन्होंने 103 मिनट लंबे अपने भाषण में कहा, ''हमारा देश कई दशकों से आतंक को झेलता आया है। देश के सीने को छलनी कर दिया गया है। अब, हमने एक 'न्यू नॉर्मल स्थापित किया है, आतंक को और आतंकी को पालने-पोसने वालों को, आतंकियों को ताकत देने वालों को, अब हम अलग-अलग नहीं मानेंगे। वे मानवता के समान दुश्मन है, उनके बीच कोई फर्क नहीं है।

उन्होंने कहा, ''हमारी सेना ने वो करके दिखाया, जो कई दशकों तक कभी हुआ नहीं था। सैकड़ों किलोमीटर दुश्मन की धरती पर घुसकर आतंकी हेडक्वार्टर्स को मिट्टी में मिला दिया, आतंकी इमारतों को खंडहर बना दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे बहुत गर्व हो रहा है, आज मुझे लाल किले की प्राचीर से, ऑपरेशन सिंदूर के वीर जांबाजों को सैल्यूट करने का अवसर मिला है। हमारे वीर जांबाज सैनिकों ने, दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है।

उन्होंने कहा, ''22 अप्रैल को पहलगाम में, सीमा पार से आतंकियों ने आकर जिस प्रकार का कत्लेआम किया, धर्म पूछ करके लोगों को मारा गया, पत्नी के सामने पति को गोली मार दी, बच्चों के सामने उनके पिता को मौत के घाट उतार दिया गया। पूरा हिंदुस्तान आक्रोश से भरा हुआ था और पूरा विश्व भी इस प्रकार के संहार से चौंक गया था। मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उसी आक्रोश की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सेना को खुली छूट दे दी कि वह रणनीति तय करे, लक्ष्य तय करे और समय भी वही चुने। उन्होंने कहा, ''और उसने वह करके दिखाया, जो कई दशकों तक कभी हुआ नहीं था। सैकड़ों किलोमीटर दुश्मन की धरती पर घुसकर आतंकी हेडक्वार्टर्स को मिट्टी में मिला दिया, आतंकी इमारतों को खंडहर बना दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत ने तय कर लिया है कि इन न्यूक्लियर धमकियों को अब हम सहने वाले नहीं हैं, न्यूक्लियर ब्लैकमेल लंबे अरसे से चला आया है, अब वह ब्लैकमेल नहीं सहा जाएगा। आगे भी अगर दुश्मनों ने ये कोशिश जारी रखी, हमारी सेना तय करेगी, सेना की शर्तों पर, सेना जो समय निर्धारित करे उस समय पर, सेना जो तौर-तरीके तय करे, उस तौर तरीके से, सेना जो लक्ष्य तय करे, उस लक्ष्य को अब हम अमल में लाकर के रहने वाले हैं। हम मुंहतोड़ जवाब देंगे।

उन्होंने कहा कि भारत से प्रवाहित होने वाली नदियों का पानी ''दुश्मनों के खेत को सींच रहा है और मेरे देश के किसान, मेरे देश की धरती पानी के बिना प्यासी है। उन्होंने कहा, ''यह ऐसा समझौता था, जिसने पिछले सात दशक से मेरे देश के किसानों का अकल्पनीय नुकसान किया है। अब हिंदुस्तान के हक का जो पानी है उस पर अधिकार सिर्फ और सिर्फ हिंदुस्तान का है, हिंदुस्तान के किसानों का है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि मोटापा हमारे देश के लिए बहुत बड़ा संकट बनता जा रहा है। इसके खिलाफ लड़ाई में सभी को योगदान देना चाहिए। मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले वर्षों में हर तीन में से एक व्यक्ति मोटापे से ग्रस्त होगा।

उन्होंने कहा कि जब मैं फिटनेस व खेलों की बात करता हूं, तो मैं आपके सामने चिंता का एक विषय भी रखना चाहता हूं। मोटापा हमारे देश के लिए बहुत बड़ा संकट बनता जा रहा है। हमारे देश के प्रत्येक परिवार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। हमें मोटापे से खुद को बचाना होगा। मोदी ने कहा कि इसलिए, कई कदम उठाने होंगे, लेकिन मैंने एक छोटा सा सुझाव दिया था कि हर परिवार ये संकल्प ले कि जब घर में खाना बनाने का तेल आए तो वह सामान्य से 10 प्रतिशत कम हो। उसके इस्तेमाल में भी 10 प्रतिशत की कटौती की जाए। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने लोगों को चुपचाप बीमारी सहने की आदत से मुक्त किया है। उन्हें अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने में मदद की है।

उन्होंने कहा कि जब हम वरिष्ठ नागरिकों को उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए 5,00,000 रुपये से अधिक की सहायता प्रदान करते हैं, तो यह उनकी भलाई के प्रति हमारी चिंता को दर्शाता है। मोदी ने घरेलू औषधि नवाचार में भारत की बढ़ती क्षमता तथा नयी दवाओं, टीकों और जीवन रक्षक उपचारों को पूरी तरह से भारत में ही विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

मान ने फरीदकोट में फहराया तिरंगा

स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में नई योजनाओं का ऐलान

एस. के. सक्सैना

फरीदकोट, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फरीदकोट में आयोजित राज्य स्तरीय 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड का निरीक्षण किया और मार्चपास्ट की सलामी ली। इस मौके पर पंजाब के मुख्य सचिव के. ए. पी. सिन्हा और पुलिस महानिदेशक गौरव यादव भी मौजूद रहे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री मान ने शहीद भगत सिंह, उधम सिंह, सुखदेव और लाला लाजपत राय सहित स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को याद किया। उन्होंने घोषणा की कि %मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना% 2 अक्टूबर से लागू होगी, जिसके तहत राज्य की हर परिवार को 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। इसके लिए सभी सरकारी अस्पतालों और 552 निजी अस्पतालों को पैनल में शामिल किया गया है, और खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

मान ने बताया कि अब तक प्रदेश में 881 %आम आदमी क्लीनिक% खोले जा चुके हैं, जहां प्रतिदिन करीब 70 हजार लोग इलाज के लिए आते हैं। जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाकर 1,000 की जाएगी। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने कहा कि %स्कूल ऑफ एमिनेंस% खोले जा रहे हैं और पंजाब ने राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है, जबकि 2017 में राज्य 29वें स्थान पर था।

नशा विरोधी मुहिम %युद्ध नशियां विरुद्ध% पर बोलते हुए ष्टरू ने कहा कि ड्रग तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। गांवों में डिफेंस कमेटियां बनाई गई हैं और पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होने वाली तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाया गया है।

उन्होंने बताया कि तीन वर्षों में मेरिट आधार पर 55,000 सरकारी नौकरियां दी गईं। सिंचाई के क्षेत्र में उन्होंने कहा कि उनके कार्यभार संभालने के समय नहर का पानी केवल 21ब खेतों तक पहुंच रहा था, जो अब 63ब तक बढ़ गया है, और पहली बार नहर व नदी का पानी गांवों के अंतिम सिरे तक पहुंचा है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फरीदकोट, हरजोत बैंस ने मोगा और अमन अरोड़ा ने लुधियाना, कुलतद्बर सिंह संधवा स्पीकर ने फिरोजपुर में तिरंगा फहराया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फरीदकोट के नेहरू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में तिरंगा फहराया।

इस बीच, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मोगा में तिरंगा फहराया। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मोगा की अनाज मंडी में तिरंगा फहराया। इस अवसर पर मोगा के डीसी सागर सेतिया, एसएसपी अजय गांधी, चारों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इसी तरह, लुधियाना में भी मंत्री अमन अरोड़ा ने ध्वजारोहण किया। कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने लुधियाना में व स्पीकर कुलतद्बर सिंह संधवा ने फिरोजपुर में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ध्वजारोहण किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर नागरिकों को दी बधाई

कहा- उनकी शिक्षाएं करती हैं प्रेरित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी और सभी से राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं आत्मविकास और आत्मज्ञान की दिशा में प्रेरित करती हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म के मार्ग पर चलकर परम सत्य की प्राप्ति के बारे में मानवता को संदेश दिया। यह पर्व हमें श्रीकृष्ण द्वारा प्रतिपादित शाश्वत मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर हम सभी भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं का पालन करने और अपने समाज एवं राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें। राष्ट्रपति ने भारत और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि आनंद और उत्साह से भरे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मैं भारत और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई दी।

संपादकीय

दाएं हाथ में ही क्यों लें प्रसाद?

हिन्दू धर्म व संस्कृति में भगवान को भोग लगाकर प्रसाद बांटना पूजा का एक जरूरी अंग माना जाता है। अक्सर लोग प्रसाद ग्रहण करते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान नहीं देते है। ऐसी मान्यता है कि उल्टे हाथ में प्रसाद लेना शुभ नहीं माना जाता है। प्रसाद लेते समय हमेशा सीधे हाथ ऊपर रखना चाहिए और उसके नीचे उल्टा हाथ रखना चाहिए, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका क्या कारण है?

दरअसल, हिन्दू धर्म में यह माना जाता है कि हर शुभ काम, जिस से आप जल्द ही सकारात्मक परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं तो वह काम सीधे (दाएं) हाथ से करना चाहिए। इसी लिए हर धार्मिक कार्य चाहे वह यज्ञ हो या दान पुण्य सीधे हाथ से किया जाता है । जब हम हवन करते हैं और यज्ञ नारायण भगवान को आहुति अर्पित की जाती है तो वो दाएं हाथ से ही दी जाती है।

हिन्दू शास्त्रों में किसी भी प्रकार के कर्म कांड को करते समय बाएं हाथ का प्रयोग करना वर्जित माना गया है। फिर चाहे भगवान की मूर्ति पर जल चढ़ाना हो, उन्हें भोजन अर्पित करना हो या फिर हवन की अग्नि में सामग्री अर्पित करना हो। इन सबके लिए दाहिने हाथ का ही प्रयोग किया जाता है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी माना गया है।

दरअसल, सीधे हाथ को सकारात्मक ऊर्जा देने वाला माना जाता है। हमारी परंपरा के अनुसार प्रसाद को भगवान का आर्शीवाद माना जाता है। यही सोचकर हमारे पूर्वजों ने यह मान्यता बनाई कि प्रसाद सीधे हाथ में ही लेना चाहिए।

हनुमान जी की आरती में भी हम लोग गाते हैं

'बायें भुजा सब असुर संहारे, दाहिने भुजा सब संत जन तारे।'

अत:कोई भी शुभ काम दाहिने हाथ से ही किया जाता है।

वड़िंग, बाजवा ने वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कैंडल मार्च का नेतृत्व किया

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, - पंजाब भर में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा भारतीय चुनाव आयोग की मिलीभगत से की गई वोट चोरी के खिलाफ एक कैंडल मार्च में भाग लिया।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू के साथ मोहाली में मार्च का नेतृत्व किया।

इस दौरान मोहाली में हजारों लोग मार्च में शामिल हुए। वे भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

मार्च के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, प्रदेश अध्यक्ष वड़िंग ने कहा कि राहुल गांधी ने भाजपा द्वारा की गई वोट चोरी का पूरे विवरण और ठोस सबूतों के साथ पर्दाफाश किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने भारतीय चुनाव आयोग की मिलीभगत से महाराष्ट्र में 70 लाख से ज़्यादा वोट अपने पाले में कर लिए थे, जिसकी वजह से उसे विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत मिली थी। जबकि छह महीने पहले ही संसदीय चुनावों में जनता ने उसे सत्ता से बेदखल कर दिया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अब बिहार के 65 लाख दलित, अल्पसंख्यक और मजदूर वर्ग के मतदाताओं को मतदान से वंचित करके उसी बात को एक अलग तरीके से दोहराने की कोशिश कर रही है। भाजपा सोचती है कि ये मतदाता उसे कभी वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि अब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी चुनाव आयोग से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हटाए गए मतदाताओं की सूची जारी करने को कहा है। वड़िंग ने कहा कि कैंडल मार्च में लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी उनकी जागरूकता और चिंता को दर्शाती है कि भाजपा वोट चोरी करने के लिए सत्ता के दुरुपयोग और छल का सहारा ले रही है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला ने राष्ट्रीय रैगिंग विरोधी दिवस मनाया

रमन कुमार

पंचकूला, – राष्ट्रीय रैगिंग विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला ने रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए 12 अगस्त को एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। बीएएमएस प्रथम वर्ष के व्यावसायिक छात्रों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने रैगिंग के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और परिसर में वरिष्ठों और कनिष्ठों के बीच स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम में डीन प्रभारी प्रो. सतीश गंधर्व और संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन डॉ. अनूप एम. (एसोसिएट प्रोफेसर, क्रिया शरीर विभाग) और

संस्थान की रैगिंग विरोधी समिति द्वारा किया गया। संस्थान ने माननीय कुलपति प्रो. संजीव शर्मा और डीन प्रो. गुलाब पमनानी के अथक मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

मोहिंदर भगत ने युद्ध स्मारकों के निर्माण और सैनिक विश्राम गृहों के नवीनीकरण की प्रगति की समीक्षा की

पंकज

चंडीगढ़, –मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आज अधिकारियों से राज्य में युद्ध स्मारकों के निर्माण कार्यों और सैनिक विश्राम गृहों के नवीनीकरण की प्रगति की समीक्षा की। पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में रक्षा सेवाएं कल्याण विभाग और लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार स्वतंत्रता

सेनानियों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

जिला खन्ना में भाजपा को मिली मजबूती, सरपंच बलजीत सिंह मंझाली साथियों समेत भाजपा में हुए शामिल

मनदीप कौर

चंडीगढ़–पंजाब भाजपा पंजाबियों की पसंदीदा पार्टी बनी हुई है। हर रोज़ नए–नए कद्दावर नेता, समाजसेवी, विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इन बातों का ज़्क्रि पंजाब भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने सरपंच बलजीत सिंह मंझाली और उनके साथियों के भाजपा में शामिल होने के मौके पर किया। इस दौरान उनके साथ पंजाब भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिक्रमजीत सिंह चीमा और खन्ना जिला भाजपा अध्यक्ष भूपिंदर सिंह चीमा मौजूद थे, जिनकी अगुवाई में सरपंच बलजीत सिंह भाजपा में शामिल हुए। अश्विनी शर्मा ने कहा कि बलजीत सिंह मंझाली सरपंच और उनके साथियों के भाजपा में शामिल होने से खन्ना ज़िले में पार्टी को बहुत मज़बूती मिली है। उन्होंने कहा कि सरपंच बलजीत सिंह और साथियों को भाजपा में पूरा मान–सम्मान मिलेगा। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिक्रमजीत सिंह चीमा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार से पंजाब का हर वर्ग बहुत दुखी है और पंजाब के लोगों ने दूसरी राजनीतिक पार्टियों को आज़मा कर देख लिया है। अब पंजाबवासी समझ चुके हैं कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो पंजाब का विकास कर सकती है। सरपंच बलजीत सिंह ने कहा कि उन्होंने बिक्रमजीत सिंह चीमा और भूपिंदर सिंह चीमा की प्रेरणा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की

सरपंच बलजीत सिंह मंझाली और साथियों को भाजपा में मिलेगा पूरा सम्मान – अश्विनी शर्मा

जन–हितैषी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में सम्मिलित होने का निर्णय लिया है। मैं और मेरे साथी भाजपा के लिए दिन–रात मेहनत करेंगे। इस मौके पर इकबाल सिंह चन्नी, प्रवक्ता भाजपा, महासचिव बलराम शर्मा, मंडल अध्यक्ष जगतार सिंह, कूका संदीप भारती, कुलजीत सिंह काका, बलजीत सिंह, सरप्रीत सिंह, भरपूर सिंह और बड़ी संख्या में सरपंच बलजीत सिंह के साथी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, पंजाब की 173वीं बैठक चंडीगढ़ में आयोजित हुई

कैप्टन सुभाष चंद्र

चंडीगढ़, – राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति , पंजाब की 173वीं बैठक का आयोजन होटल माउंट व्यू, सेक्टर–10, चंडीगढ़ में पंजाब नेशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक एम. परमशिवम की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जून 2025 तिमाही तक की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त), पंजाब सरकार आलोक शेखर, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक चंडीगढ़ विवेक श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड विनोद कुमार आर्य, महाप्रबंधक एवं संयोजक, स्स्ब्स्ट पंजाब परमेश कुमार तथा महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक चंडीगढ़ पंकज सेतिया ने भाग लिया। बैठक में महाप्रबंधक एवं संयोजक, स्स्ब्स्ट पंजाब परमेश कुमार ने अवगत कराया कि भारत सरकार के वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय समावेशन अभियान के अंतर्गत सभी पात्र लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 5801 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा

चुके हैं। कार्यपालक निदेशक, पंजाब नेशनल बैंक एम. परमशिवम ने बताया कि जून तिमाही में वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत ?1,02,808 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है, जो वार्षिक लक्ष्यों का 48त्न है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी बैंकों को बधाई दी। पंजाब का ऋण–जमा अनुपात 62.34त्न है, जो राष्टीय लक्ष्य (60त्न) से अधिक है। उन्होंने इसे और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक 179 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं से जोड़ा जा चुका है प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 20 वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा (18-70 वर्ष) प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 436 वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा (18–50 वर्ष) अटल पेंशन योजना 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000–?5,000 मासिक पेंशन का प्रावधान (18–40 वर्ष के लिए पात्रता) अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त), पंजाब सरकार आलोक शेखर ने सभी बैंकों से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभाएँ और वित्तीय जागरूकता के लिए गाँवों में शिविर लगाएँ। क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक चंडीगढ़ विवेक श्रीवास्तव ने वित्तीय समावेशन अभियान के अंतर्गत पुन:-KYC पर बल दिया ताकि किसी भी खाते के लेन–देन में कठिनाई न हो। महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक चंडीगढ़ पंकज सेतिया ने डिजिटल लेन–देन को बढ़ावा देने पर जोर दिया, जबकि मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड विनोद कुमार आर्य ने कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उप महाप्रबंधक, SLBC पंजाब रामकिशोर मीना ने विस्तृत एजेंडा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक और विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वड़िंग ने वकील को धमकाने वाले आप नेता के खिलाफ पुलिस केस दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी की मांग की

कैप्टन सुभाष चंद्र

लुधियाना–पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने वकील हरजस सिंह को धमकाने और उन पर पिस्तौल तानने वाले दर्श तूर के खिलाफ तत्काल पुलिस केस दर्ज कर उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। तूर आम आदमी पार्टी के जिला युथ विंग के अध्यक्ष एम.पी. जवद्दी के भाई हैं। वड़िंग ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आप नेता और उनके रिश्तेदार जिस तरह से कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लुधियाना के एक वकील हरजस सिंह के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए, कहा कि आप नेता लोगों को इस तरह डराने–धमकाने की हिम्मत रखते हैं, मानो कानून इनकी जेब में हो। उन्होंने मामले में तत्काल पुलिस केस दर्ज करने और गिरफ्तारी की मांग करते हुए, कहा कि अगर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस धरना देगी। उन्होंने सवाल किया कि ऐसा करके आप क्या संदेश देना चाह रहे हैं कि आप के नेता और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती, भले ही उन्होंने कोई भी अपराध क्यों न किया हो? उन्होंने साफ़ शब्दों में कहा कि कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। इस बीच, वकील हरजस के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए, वड़िंग ने कहा कि पूरी कांग्रेस उनके साथ खड़ी है और यह सुनिश्चित करेगी कि आरोपी को न्याय के कटघरे में लाया जाए। उन्होंने आप नेताओं को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए, कहा कि सिर्फ़ इसलिए कि आप सत्ताधारी पार्टी से हैं, आपको इस तरह से आज़ाद नहीं छोड़ा जाएगा।

आज तक आमने सामने

RNI NO -PUNHIN0/2013/54688

Printed by Mandeep Kaur, Published by Mandeep Kaur, Owned by Mandeep Kaur & Printed at Dashmash Printers 178-179 Ranjit Nagar, Jalnadhar City, Published 87 Ranjit Nagar Near Bus Stand, Jalandhar, Punjab

Editor Surinder Kumar (SK Saxena)

Responsible for selection of News under the PRB ACT.
All Rights Reserved Reproduction in whole or in Part without Permission in Prohibited, All disputes shall be settled at Jalandhar Jurisdiction only
Faxt No. : 0181-5024001, Conact No : 0181-5077100

आवश्यक सूचना

आज तक आमने-सामने का इस समाचार पत्र में मुद्रित वज्ञािपनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) के तथ्यों सबंधी कोई दायित्व नहीं है। महारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से अनुरोध है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व सभी तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। -प्रधान संपादक

सरपंच यूनियन के अध्यक्ष करुण कौड़ा भाजपा में शामिल

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा और पूर्व सांसद श्रीमती परनीत कौर की अगवाई में सरपंच यूनियन के अध्यक्ष करुण कौड़ा भाजपा में शामिल

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, आज चंडीगढ़ स्थित भाजपा के मुख्य कार्यालय में सरपंच यूनियन के अध्यक्ष करुण कौड़ा अपने साथियों समेत भाजपा में शामिल हो गए हैं। इस अवसर पर पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा और पूर्व सांसद श्रीमती परनीत कौर ने उनका पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री अश्वनी शर्मा ने करुण कौड़ा का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक समझ और सामाजिक कार्यों

से पार्टी को बहुत लाभ होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि करुण कौड़ा पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने और पार्टी के आधार को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके बाद श्रीमती परनीत कौर ने कहा कि ्रभाजपा लोगों की पार्टी है और यह जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में करुण कौड़ा की मजबूत पकड़ और सरपंच यूनियन के अध्यक्ष के रूप में उनका अनुभव पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। करुण कौड़ा ने भाजपा में शामिल होने पर खुशी जाहिर की और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वह भाजपा की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लोक–हितैषी नीतियों से बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने पार्टी द्वारा दी गई हर जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और लगन से निभाने का संकल्प लिया। इस के इलावा जसवंत सिंह सरपंच रौणी, भगवंत सिंह लोकसभा प्रभारी, हितेश कौरा, सुंदर सिंह, गुरशेर सिंह, नरिंदर सिंह, जोगिंदर सिंह और गुरमेल सिंह आदि भी भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

कैंट विधानसभा के खुसरोपुर मे पंजाब सरकार की लैंड पुलिंग वापिसी योजना पर भाजपाइयो ने तिरंगा यात्रा निकाल लड्डू बांटे

भगवंत मान सरकार ने पंजाबियों से धक्केशाही कर केवल गैंगस्टर,नशा,गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया–सुशील शर्मा

एसके सक्सैना

जालंधर –बीते कल पंजाब मे भगवंत सरकार द्वारा किसानो की मर्जी के बिना ज़ारी की गई लैंड पुलिंग योजना किसानो के बढ़ते विरोध के बाद पंजाब भाजपा द्वारा समर्थन करने के बाद लैंड पुलिंग योजना वापिस लेने के बाद आज भाजपा जालंधर शहरी ने अलग अलग मंडलों मे किसान विजय दिवस पर तिरंगे,भाजपा के झंडे लेकर लड्डू बाटे।इस कार्यक्रम को लेकर कैंट विधानसभा के मंडल–17 के प्रधान जॉर्ज सागर की अध्यक्षता मे खुसरोपुर पिंड मे कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम मे जालंधर भाजपा शहरी के प्रधान सुशील शर्मा,महामंत्री अशोक सरीन हिक्की मुख्य रूप से शामिल हुए।इस अवसर पर सुशील शर्मा ने बोलते हुए कहा भगवंत मान सरकार ने अपने करीब साढ़े तीन साल के कार्यकाल में पंजाबियों,व्यापारियों से अलग–अलग सरकारी विभागों के अधिकारियों के माध्यम से धक्केशाही कर केवल गैंगस्टर,नशा,गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया है।जिसके खिलाफ पंजाब के हर वर्ग के लोग एकजुट हो गये है।जिसका जवाब पंजाब की जनता आने वाले विधानसभा चुनावो मे देगी।वही कैंट विधानसभा के प्रभारी जिला भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने कहा जालंधर मे पंजाब सरकार ने केवल किसानो को उनकी जमीन से दूर नही उनको घरों से भी कब्ज़ा करना था।जिसको लेकर किसान मजदूरो को बेरोजगार बेघर होने का खतरा डराने लगा था।इसी वजह से सभी समाज के लोग आंदोलन करने को मजबूर हो गये थे।

जिसके बाद पंजाब सरकार ने मजबूरी मे लैंड पुलिंग योजना वापिस ली है।इस अवसर पर मंडल प्रधान जॉर्ज सागर ने कहा केवल भाजपा किसानो एवं हर गांव मे रहने वालो को तरक्की विकास दे सकती है।क्युकी मौजूदा पंजाब सरकार ने पंजाब,पंजाबियों एवं पंजाबियत से धोखा किया है।क्युकी विधानसभा चुनावो से पहले कांग्रस की पंजाब सरकार द्वारा पीढ़ित पंजाब की बहनो,नौजवानों,व्यापारियों समेत सरकारी कर्मचारियों के साथ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल,मुख्यमंत्री भगवंत ने सैंकड़ो वादे किये थे।जिनको आज तक लागू नहीं किया गया जिसको लेकर पंजाब के हर वर्ग में रोष और गुस्सा है।इस मौके पर जिला भाजपा प्रवख्ता सन्नी शर्मा,मंडल महामंत्री नरेश वालिया,गुरमीत लाल,अनुज शारदा,गुरमेज लाल,अमरजीत,जोगिंदर,अजय पीवाल,मनी,बंटी प्रधान,रामचंद्र,रविंदर सांपला, जस जौहल,लखबीर लक्खा,सोनू प्रधान,रजत,तीरथ पट्टी,तेजी,रिंकू नाहर करंन जिरयल सोनू सोमनाथ जसविंदर सुमन सुरेंद्र कौर रीता रानी,मनजीत मरते,मार्गरेट,बबली,मीनाक्षी,बीरो,जसविंदर कौर,सुखविंदर कौर,गुरमीत कौर,परमजीत,हरजिंदर कौर, मान कौर,दलविंदर कौर,सरबजीत कौर,सुखविंदर कौर,राजविंदर कौर,सोनिया,सुरजीत कौर,अमनदीप कौर,जसवीर कौर,मीनाक्षी राजेंद्र,सरदा राम,नथेवाल रवि कुमार,गगन कुमार,कुलविंदर सिंह आदि मौजूद थे।

पंजाब को लूटने के लिए आप ने बनाई थी लैंड पूलिंग पॉलिसी-सुशील रिंकू

मनदीप कौर

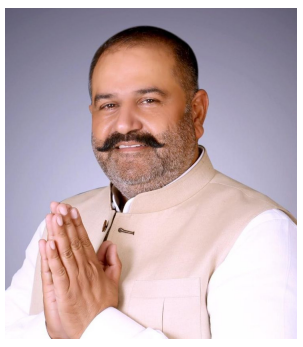

भाजपा की आपत्ति पर हाईकोर्ट ने पॉलिसी पर लगाई रोक, आम आदमी पार्टी के नेता पंजाब को लूटने आए हैं, पंजाब और पंजाबियों की बड़ी जीत हुई है – रिंकू

जालंधर, 13 अगस्त 2025। पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने कहा कि लैंड पूलिंग पॉलिसी के जरिए पंजाब की आम आदमी पार्टी वाली सरकार किसानों की जमीन हड़पना चाहती थी, भाजपा ने इसका कड़ा विरोध किया। लैंड पूलिंग पॉलिसी पर उच्च न्यायालय ने रोक लगाई, जिससे पंजाब सरकार को लैंड पूलिंग पॉलिसी को वापस लेना पड़ा। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब और पंजाबियत को लूटने में जुटी हुई है। लैंड पूलिंग पॉलिसी भी एक तरह से पंजाब के किसानों को लूटने का तरीका था। उन्होंने कहा कि एक बात साफ हो गई है कि आम आदमी पार्टी के नेता पंजाब को लूटने आए हैं। भाजपा की आपत्ति के बाद हाईकोर्ट ने लैंड पूलिंग पॉलिसी पर रोक लगाकर इस मामले को हल करने का काम किया है। मैं माननीय अदालत को धन्यवाद देता हूं। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने कहा कि आम आदमी पार्टी (क्क) सरकार ने अपनी विवादास्पद लैंड पूलिंग पॉलिसी किसानों की चिंता से नहीं, बल्कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के डर से वापस ली है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब और पंजाबियों की बड़ी जीत है। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने कहा कि आम आदमी पार्टी की जनविरोधी नीतियों के आगे पंजाब के लोग कभी भी नहीं झुकेंगे।

भगवंत मान सरकार की किसानो से जबरदस्ती जमीन हड़पने की लैंड पुलिंग पालिसी पर पंजाब,पंजाबीयत और पंजाबियो की जीत-सुशील शर्मा

मोदी अमेरिका से टक्कर किसानी बचाने मे लगे पंजाब सरकार किसानो को दबाने मे लगी–अशोक सरीन, लैंड पूलिंग पालिसी पंजाब के किसानो,मजदूरों समेत आर्थिक व्यवस्था कुचलने वाली थी–राजेश कपूर

पंकज

जालंधर–भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा ने भगवंत मान सरकार की किसानो से जबरदस्ती जमीन हड़पने की लैंड पुलिंग पालिसी पर पंजाब सरकार का झुकना पंजाबीयत और पंजाबियो की जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने खुल कर किसानों के हक में इस पॉलिसी को रद्द करवाने के लिए सरकार पर पूरा दवाब बनाया था और आज इस तुगलकी फ़रमान के वापिस होने से किसान विरोधी आप सरकार को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। सुशील शर्मा ने कहा कि यह नीति बड़े जमीन मालिकों और प्राइवेट डेवलपरों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई थी और इसमें छोटे किसानों की अनदेखी की जा रही थी।उन्होंने कहा कि अगर कही यह नीति लागू हो जाती तो पंजाब के किसान ने पूरी तरह बर्बाद हो जाना था और उसके पास कोई अन्य आय का साधन नहीं बचना था।जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी किसानी बचाने के लिए अमेरिका से टक्कर ले रहे है और इधर देश में पंजाब सरकार किसानो को दबाने मे लगी है जोकि अस्वीकार्य है।उन्होंने कहा कि सरकार का इस पॉलिसी को वापिस लेना प्रदेश के उन लाखों किसानों की जीत है जो दिन रात मेहनत करके हम सभी के लिए अन्न उपजा रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब में पूरी तरह किसानों के साथ खड़ी है और रहेगी। उन्होंने कहा कि इस नीति के लागू होने से प्रदेश में कृषि का ग्राफ पूरी तरह से नीचे आ जाना था और इसका सीधा असर व्यापार से लेकर समाज के हर क्षेत्र पर पड़ना था जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने पूरी तरह खोखला हो जाना था।जिला महामंत्री राजेश कपूर ने कहा कि लैंड पूलिंग पालिसी पंजाब के किसानो,मजदूरों समेत आर्थिक व्यवस्था कुचलने वाली थी।उन्होंने कहा कि इस नीति से खेतों का राजा प्रदेश का किसान उसी खेत की कटी कॉलोनी का गार्ड बनकर खड़ा होने के लिए मजबूर होता। उन्होंने कहा कि इस नीति का वापिस होना किसानों की जीत है और प्रदेश के किसानों का इस आप सरकार से पूरी तरह मोह भंग हो चुका है और जिसका खामियाजा 2027 में आप को नकार कर भाजपा को मौका देकर पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने में समर्थन करेंगे।

भाजपा के लैंड पूलिंग स्कीम के खिलाफ राज्य व्यापी आंदोलन चलाने के दबाव में आकर आप सरकार ने ली स्कीम वापस

रमन कुमार

भाजपा प्रदेश के किसानों की खेती बाड़ी और उनके विकास को बचाने में हुई सफल–राकेश राठौर

जालंधर –भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में लैंड पूलिंग स्कीम के खिलाफ जो राज्य व्यापी आंदोलन 17 अगस्त से लेकर 5 सितंबर तक पूरे प्रदेश के गांव गांव और घर घर तक चलाया जाना था। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा लैंड पूलिंग स्कीम को वापस लेने का निर्णय भाजपा के दबाव का परिणाम है, राकेश राठौर ने कहा कि यह स्पष्ट है। भाजपा पंजाब की खेती–बाड़ी और प्रदेश के किसानों के विकास को बचाने में सफल हुई।और आम आदमी पार्टी की सरकार की नीतिया पूरे प्रदेश में फेल साबित हुई। राकेश राठौर ने कहा कि भाजपा ने हमेशा पंजाब के विकास के लिए काम किया है और लैंड पूलिंग स्कीम जैसे निर्णयों सरकार द्वारा जो राजनीतिक दबाव में आकर वापस लेने में भी भाजपा के दबाव की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार को पंजाब के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने चाहिए, न कि केवल अपने राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए। राकेश राठौर ने पंजाब के लोगों से आग्रह किया कि वे आम आदमी पार्टी की सरकार के इस घटिया और नासमझ निर्णय के परिणामों को समझें और आगामी चुनावों में इसका जवाब दें।

भारगो नगर में 18 लाख रुपये की लागत से तीन सड़कों का होगा निर्माण

कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने सड़क निर्माण का शिलान्यास किया, बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार का आश्वासन दिया

कैप्टन सुभाष चंद्र

जालंधर, –पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज भारगो नगर के वार्ड संख्या 44 में 18 लाख रुपये की लागत से बनने वाली तीन सड़कों का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री ने स्थानीय पार्षद राज कुमार राजू के साथ कहा कि इससे न केवल भारगो नगर के निवासियों और दुकानदारों की माँगें पूरी होंगी, बल्कि मुख्य बाज़ारों में आना–जाना भी आसान हो जाएगा। शहरी बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, श्री भगत ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए फंड की कोई कमी नहीं होगी और बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के लिए हर दिन बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का उद्घाटन किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि मानसून सीजन समाप्त होने के बाद, शहरों में सड़क ढांचे को और मजबूत करने के लिए कई सड़क परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम राज्य में बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को इन सड़क परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और कार्य की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर, भारगो नगर के निवासियों ने तीन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य शुरू करने के लिए कैबिनेट मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र और आस–पास के लोगों के बीच संपर्क और बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि ये सड़कें व्यस्ततम क्षेत्र में आवागमन में आने वाली समस्याओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने पंजाब को एक विकसित और समृद्ध राज्य बनाने के लिए मान सरकार की वचनबद्धता दोहराई

एसके सक्सैना

जालंधर, कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत पंजाब को एक विकसित और समृद्ध राज्य बनाने के लिए मान सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए ,कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास और जनता के कल्याण के लिए लगातार ऐतिहासिक फैसले ले रही है। जनता को सुविधाएं प्रदान करने के साथ–साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से दिया जा रहा है। इसके अलावा, पंजाब को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में विशेष कदम उठाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की है। राज्य के हर हिस्से में सड़कों का निर्माण, सरकारी अस्पतालों का अपग्रेडशन, स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम और किसानों के लिए नई सुविधाएं शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि बिजली सस्ती करना, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मान सरकार का हर फैसला पंजाब की बेहतरी और लोगों की भलाई को ध्यान में रखकर लिया जाता है। श्री भगत ने कहा कि आने वाले महीनों में और भी नई विकास परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर गाँव और शहर में आधुनिक सुविधाए उपलब्ध करवाना है।

लैंड पुलिंग स्कीम की वापसी पंजाबियों की जीत, आप सरकार की हार-एडवोकेट एन.के. वर्मा

मनदीप कौर

जालंधर, पंजाब सरकार द्वारा लाई गई विवादित लैंड पुलिंग स्कीम को लेकर महीनों से चल रहा विवाद आखिरकार किसानों और विपक्ष की जीत के साथ समाप्त हो गया है। इस योजना का पंजाब के किसानों और विपक्षी पार्टियों ने पुरजोर विरोध किया था, जिसे भारतीय जनता पार्टी की लीगल सेल ने भी संवैधानिक और कानूनी दृष्टि से त्रुटिपूर्ण बताया था। एडवोकेट एन.के. वर्मा, संयोजक, बीजेपी लीगल सेल पंजाब ने कहा कि किसानों के अधिकारों और ज़मीन की सुरक्षा के लिए हर मंच पर लड़ाई लड़ी गई। फ्यह योजना किसानों की भूमि पर जबरन नियंत्रण का रास्ता खोल रही थी, जो संवैधानिक और नैतिक दोनों दृष्टियों से गलत था, उन्होंने कहा। विपक्ष, किसानों और विभिन्न संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस योजना पर स्टे लगा दिया था। कानूनी दबाव और जनविरोध के चलते अंततः पंजाब सरकार को पीछे हटते हुए योजना को वापस लेना पड़ा। एडवोकेट वर्मा ने इसे पंजाबियों की ऐतिहासिक जीत ओर आप पार्टी की करारी हार बताते हुए कहा कि बीजेपी लीगल सेल किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा संघर्षरत रहेगी और भविष्य में भी किसी भी जनविरोधी नीति के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोलने से पीछे नहीं हटेगी।

आप पक्के तौर पर पिछड़ गई है–वड़िंग

गाँवों में प्रवेश पर रोक के बाद, अब पंजाब में भी प्रवेश पर रोक लग जाएगी, शहर में छह ओपन–एयर जिमों का उद्घाटन

रमन कुमार

लुधियाना, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार किसान विरोधी लैंड पूलिंग पॉलिसी को वापस लेने के बाद पूरी तरह से पिछड़ गई है। यहाँ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आप को पहले ही कई गाँवों में प्रवेश करने से रोका जा चुका है और जल्द ही पूरे पंजाब में भी इसे प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस अवसर पर, वड़िंग ने शहर में छह %ओपन–एयर% जिमों का भी उद्घाटन किया। प्रत्येक जिम के लिए उन्होंने अपने स्थानीय क्षेत्रीय विकास फंड से 4–4 लाख रुपये प्रदान किए हैं। वहीं पर पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ आप की करारी हार की भविष्यवाणी करते हुए, वड़िंग ने दावा किया कि पार्टी का हश्र उसकी %ए–टीम भाजपा% जैसा ही होगा, जिसे पंजाब के ग्रामीण और शहरी इलाकों से पूरी तरह से बाहर कर दिया गया था। आप भाजपा की राह पर चल रही है और उसका हश्र भी भाजपा जैसा ही होगा। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ–साथ लोगों व कार्यकर्ताओं से मिलकर एक व्यापक संपर्क कार्यक्रम शुरू किया। वड़िंग ने कहा कि वह जनता और कार्यकर्ताओं से सरकार और पार्टी की भविष्य की रणनीति के बारे में फीडबैक ले रहे हैं। 2027 में कांग्रेस की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए, उन्होंने कहा कि जहाँ आम आदमी पार्टी अपनी बार–बार की विफलताओं और पंजाबियों की ज़मीन लूटने की स्पष्ट कोशिशों के लिए बदनाम हुई है। वहीं पर शिरोमणि अकाली दल पूरी तरह से बिखरा हुआ है, जबकि भाजपा कहीं भी इस दौड़ में नहीं है। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि लोगों को सिर्फ़ कांग्रेस में ही उम्मीद दिखती है और हम चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले डेढ़ साल न सिर्फ़ पार्टी के लिए, बल्कि राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हमें पंजाब को बचाना है और इसे फिर से प्रगति के पथ पर लाना है व यह केवल कांग्रेस ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि लोग 2022 में अपने फ़ैसले पर पछता रहे हैं, क्योंकि वे आम आदमी पार्टी नेताओं के लुभावने और भ्रामक वादों में फंस गए थे, जिनका वास्तव में कोई मतलब नहीं था। आज की बैठक में पूर्व मंत्री राकेश पांडे, पूर्व विधायक जस्सी खंगुड़ा, सुरिंदर डावर, संजीव तलवाड़, कुलदीप सिंह वैद, सिमरजीत सिंह बैंस, बलविंदर सिंह बैंस, पवन दीवान, के.के बावा, कामिल सिंह व अन्य उपस्थित थे।

पंजाब में जबरन भूमि अधिग्रहण के खिलाफ कानून लाएगी कांग्रेस-वड़िंग

पंकज

चंडीगढ़, –पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि 2027 में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद, सबसे पहले डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा 2013 में पारित कानून की तर्ज पर किसानों के हितों की रक्षा के लिए भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास कानून लाएगी। यहाँ जारी एक बयान में, वड़िंग ने कहा कि किसानों के हितों की स्थायी रक्षा के लिए, कांग्रेस सरकार राज्य में एक कानून लाएगी, जिसके तहत कम से कम 80 प्रतिशत लोगों की सहमति आवश्यक होगी और शहरी क्षेत्रों में बाजार दर से दोगुना व ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार दर से चार गुना मुआवज़ा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2013 का केंद्रीय कानून किसानों और भूमि मालिकों को यही सुरक्षा प्रदान करता है। इस बीच, उन्होंने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की किसानों और जमीन मालिकों से लाखों करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 50,000 एकड़ ज़मीन छीनने की कोशिश की आलोचना करते हुए, कहा कि राज्य का नया कानून यह सुनिश्चित करेगा कि किसानों के साथ कोई अन्याय न हो। जैसा कि आप सरकार ने किसानों की सहमति के बिना और बगैर किसी मुआवजे के उनकी ज़मीन छीनकर करने की कोशिश की थी। वड़िंग ने आप नेताओं के इस दावे का भी मज़ाक उड़ाया कि उन्होंने किसानों की बात सुनने के बाद लैंड पूलिंग पॉलिसी वापस ले ली है। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि सरकार के पास कोई विकल्प नहीं बचा था, क्योंकि इस पॉलिसी पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पहले ही रोक लगा दी थी। वड़िंग ने ज़ोर देते हुए कहा कि पंजाब सरकार जानती थी कि उसके पास लैंड पूलिंग पॉलिसी का बचाव करने का कोई मौका नहीं है, क्योंकि यह भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 का उल्लंघन है और इसलिए उसने अपने कदम पीछे खींचने की कोशिश की। अन्यथा, आप को किसानों से कोई सहानुभूति नहीं थी, और उसने पुलिस के ज़रिए उन्हें अपनी ज़मीन छोड़ने के लिए मजबूर करने हेतु धमकाया भी था।

केंद्र सरकार ने मोहाली में सेमी कंडक्टर प्लांट मंजूर कर के पंजाब के विकास के रास्ते खोले-डॉ. सुभाष शर्मा

कैप्टन सुभाष चंद्र

बोले– युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर, प्रदेश की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत, चुनाव के दौरान किया वादा पूरा, पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का किया धन्यवाद

केंद्रीय कैबिनेट ने मोहाली में सेमीकंडक्टर पार्क बनाने की मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी पर केंद्र सरकार का धन्यवाद व्यक्त करते हुए पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष डा. सुभाष शर्मा ने कहा कि यह प्रोजेक्ट जहां पंजाब के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा वहीं पंजाब में औद्योगिक विकास को नई ऊर्जा देगा। अब मान सरकार को चाहिए वे केंद्र सरकार के इन प्रोजेक्टों को पूरा समर्थन दे। डॉ. सुभाष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार पंजाब के सर्वपक्षीय विकास के लिए वचनबद्ध है इसलिए इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट पंजाब में ला रही है। ऐसे प्रोजेक्ट पंजाब के विकास की नई इबारत लिखने में सहायक होंगे। डा. सुभाष शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उन्होंने मोहाली की जनता से वादा किया था कि वे इस तरह के प्रोजेक्ट यहां लाएंगे। इस संबंध में वे केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी दो बार मिले थे। आज मोहाली में सेमीकंडक्टर प्लांट की मंजूरी दिए जाने पर वह पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद करते हैं। डा. सुभाष शर्मा ने कहा कि 2022 में इस दिशा में काम शुरू किया गया था और अब सेमीकंडक्टर की मांग लगातार बढ़ रही है। मोहाली में जब यह प्रोजेक्ट लगेगा तब विश्व के औद्योगिक मानचित्र में पूरा पंजाब एक बार फिर चमकेगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे बनाने वाली कंपनी सीडीआईएल की पंजाब में 117 करोड़ रुपये के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजना मंजूरी नए पंजाब के सृजन में सहायक होगी। डा. सुभाष ने कहा कि सेमीकंडक्टर चिप्स आज हर आधुनिक तकनीक का आधार हैं, जो बुनियादी डिवाइस से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक को शक्ति देती हैं इसलिए पंजाब इनका निर्माण करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएगा। ऐसे प्रोजक्ट पंजाब की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने श्री नांदेड़ साहिब के लिए 500 महिला सरपंचों और पंचों के पहले प्रतिनिधिमंडल को ले जा रही ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

तख्त श्री हजूर साहिब के दर्शन के साथ–साथ राष्ट्रीय पंचायती सम्मेलन में भी हिस्सा लेगा प्रतिनिधिमंडल

एसके सक्सैना

फतेहगढ़ साहिब, –पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 500 महिला सरपंचों और पंचों के पहले प्रतिनिधिमंडल को महाराष्ट्र ले जा रही ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह महिला सरपंच और पंच नांदेड़ में तख्त श्री हजूर साहिब के दर्शन करेंगी और महिला पंचायतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगी। आज यहां रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य से 500 महिला सरपंचों और पंचों के प्रतिनिधिमंडल महिला पंचायतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए महाराष्ट्र जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिनिधिमंडल में अच्छा प्रदर्शन करने वाली पंचायतों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस दौरे का उद्देश्य पंजाब की महिला सरपंचों और पंचों को अन्य राज्यों से आए पंचायती प्रतिनिधियों के साथ विचार–विमर्श के माध्यम से नए अनुभव साझा करना है, ताकि गांवों का कायाकल्प करने के लिए नवीन उपायों को लागू किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें लोकतंत्र का आधार हैं और गांवों में स्कूलों, डिस्पेंसरियों, पशु चिकित्सालयों और अन्य जनकल्याणकारी कार्यों का प्रबंधन सीधे तौर पर पंचायतों की निगरानी में होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी ट्रेनिंग सरपंचों और पंचों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि गांवों के विकास कार्यों के लिए पंचायतों का सभी विभागों के साथ तालमेल होता है। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि इस दौरे से महिला पंचायती प्रतिनिधियों का आत्मविश्वास और बढ़ेगा और गांवों के विकास को नई दिशा मिलेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नांदेड़ में तख्त श्री हजूर साहिब के दर्शन के लिए महिला सरपंचों और पंचों को राज्य सरकार की ओर से आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस की स्मृति में यह पहल की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि इन महिला सरपंचों और पंचों के आने–जाने और ठहरने का सारा खर्च सरकार वहन करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पवित्र स्थल के दर्शन करवाने के लिए इस विशेष ट्रेन का इंतजाम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पंजाबी के दिल में नांदेड़ साहिब के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान है और हर व्यक्ति के मन में जीवन में कम से कम एक बार दर्शन करने की इच्छा होती है। उन्होंने आगे कहा कि यह पंच–सरपंच महिला सशक्तिकरण की भावना का उदाहरण हैं और सरकार इनके योगदान का सम्मान करने के लिए इन्हें इस तीर्थ यात्रा के दर्शन के लिए ले जाना चाहती है। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि महिला सरपंच और पंच पंजाब और पंजाबियों के लिए शांति, प्रगति और खुशहाली की अरदास करेंगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

20,000 रुपए की रिश्वत लेते फायर अफसर को विजिलेंस ब्यूरो ने किया गिरफ्तार

पंकज

चंडीगढ़, 2025–पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत आज अबोहर में तैनात फायर अफसर वरिंदर कथूरिया को 20,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता ऋषव कालिया, निवासी तहसील अबोहर, जिला फाजिल्का से रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता नए अग्निशामक यंत्र बेचने और पुराने यंत्रों को रिफिल करने का कार्य करता है। प्रवक्ता ने कहा कि आरोपी फायर अफसर वरिंदर कथूरिया ने बिलों के निपटारे के लिए कमीशन के रूप में 25,000 रुपए से 30,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसके अलावा, शिकायतकर्ता अपने अन्य बिलों के निपटारे के लिए भी आरोपी के घर मिला था। शिकायतकर्ता अपने वैध कार्य के लिए रिश्वत नहीं देना चाहता था। इसलिए, ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को पकड़वाने के लिए उसने आरोपी के साथ हुई बातचीत रिकॉर्ड कर ली और मामला विजिलेंस ब्यूरो की फाजिल्का यूनिट को रिपोर्ट किया।

विजिलेंस ब्यूरो, फाजिल्का यूनिट ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया और सरकारी गवाह की मौजूदगी में आरोपी को 20,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अंतर्गत थाना विजिलेंस ब्यूरो, रेंज फिरोजपुर में मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला ने राष्ट्रीय रैगिंग विरोधी दिवस मनाया

मनदीप कौर

पंचकूला, राष्ट्रीय रैगिंग विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला ने रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए 12 अगस्त को एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। बीएएमएस प्रथम वर्ष के व्यावसायिक छात्रों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने रैगिंग के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और परिसर में वरिष्ठों और कनिष्ठों के बीच स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम में डीन प्रभारी प्रो. सतीश गंधर्व और संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन डॉ. अनूप एम. (एसोसिएट प्रोफेसर, क्रिया शरीर विभाग) और संस्थान की रैगिंग विरोधी समिति द्वारा किया गया। संस्थान ने माननीय कुलपति प्रो. संजीव शर्मा और डीन प्रो. गुलाब पमनानी के अथक मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

पंजाब को सेमीकंडक्टर की सौगात, मोदी सरकार का धन्यवाद –तरुण चुग

रमन कुमार

आप सरकार की नाकामी बेनकाब – लैंड पूलिंग यू–टर्न ने मान सरकार के पतन और केजरीवाल की कठपुतली हकीकत उजागर की – चुग

चंडीगढ़, –भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा देश में चार नए सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करने के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया, जिसमें एक यूनिट पंजाब के लिए भी स्वीकृत की गई है। चुग ने कहा कि यह साहसिक कदम मोदी सरकार की भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने की दृष्टि को दर्शाता है और उच्च स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने पंजाब को इस ऐतिहासिक औद्योगिक विस्तार में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया।

पंजाब सरकार घुटनों पर आई – हरदेव सिंह उभा

भाजपा की ज़मीन बचाओ, किसान बचाओ यात्रा से डरी पंजाब सरकार

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, पंजाब सरकार द्वारा लैंड पूलिंग पॉलिसी वापस लेने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभा ने कहा कि यह पंजाब और किसानों की जीत है। भाजपा किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही। भाजपा ने पंजाब में एसडीएम, डीसी और राज्यपाल को लैंड पूलिंग नीति रद्द करने के लिए ज्ञापन सौंपे, पंजाब सरकार के पुतले फूंके और विरोध प्रदर्शन किए। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की ॐज़मीन बचाओ, किसान बचाओॐ यात्रा की तैयारियां जोरों पर थीं और आखिरकार भगवंत मान और उनकी घमंडी नेतृत्व को झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अब घुटनों पर आ चुकी है, क्योंकि आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत सभी मंत्रियों और नेताओं का गांव के लोगों ने बहिष्कार करना शुरू कर दिया था।

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ
आज तक आमने-सामने
पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा
Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com
RNI No-Punhin2013/54688

मुख्यमंत्री और संत निरंजन दास जी ने डेरा सचखंड बल्लां में एस.टी.पी. का किया शिलान्यास

एसके सक्सैना

बल्लां (जालंधर), –पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज डेरा सचखंड बल्लां में लगभग 3.4 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) और मुख्य पंपिंग स्टेशन का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर डेरा सचखंड बल्लां में नतमस्तक होकर डेरा प्रमुख संत निरंजन दास जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धा प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महान धार्मिक नेताओं के चरण स्पर्श और इस पावन स्थल के दर्शन का अवसर पाकर वे स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह धरती सदैव विश्व शांति, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की मूल्यों को प्रोत्साहित करती रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिखाए मार्ग पर चलते हुए पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य प्रमुख क्षेत्रों के साथ–साथ शिक्षा को भी प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पहले ही इन क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण पहल कर चुकी है। उन्होंने बताया कि पंजाब ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के एक नए युग की शुरुआत की है और आज शैक्षणिक परिणामों में पंजाब देश का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने गर्व से कहा कि अब कमजोर और पिछड़े वर्गों के विद्यार्थी भी नीट और जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जो राज्य सरकार के समर्पित प्रयासों का परिणाम है। राज्य सरकार की एक और ऐतिहासिक पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने %मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना% का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देशभर में अपनी तरह की इस पहली योजना के अंतर्गत पंजाब के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी हद तक कम होगा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होंगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि डेरा सचखंड बल्लां में अब सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और मुख्य पंपिंग स्टेशन की नींव रखी गई है। उन्होंने बताया कि इस एस.टी.पी. की क्षमता 0.5 एम.एल.डी. (मिलियन लीटर प्रतिदिन) होगी और यह प्रोजेक्ट 12 महीनों के भीतर पूरा होने की संभावना है। इस पर कुल 3.4 करोड़ रुपए की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत डेरा सचखंड बल्लां में श्रद्धालुओं को स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण मिलेगा। इस पहल से स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

1,00,000 रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में ए.एस.आई. को विजीलेंस ब्यूरो ने किया गिरफ्तार

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, –पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक अभियान के तहत आज थाना इस्लामाबाद, अमृतसर में तैनात ए.एस.आई. सतनाम सिंह को रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 20,000 रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजीलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता इंद्रजीत सिंह निवासी भाई मंज रोड, अमृतसर से रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता इंद्रजीत सिंह ने बताया कि उसका करीबी दोस्त पारस मेहता एक वित्तीय सलाहकार है, जिसने सुनील कुमार नामक व्यक्ति के पैसे शेयर मार्केट में निवेश किए। बाजार में गिरावट आने से सुनील कुमार को 2,00,000 रुपए का नुकसान हुआ। इसके बाद, सुनील कुमार ने पारस मेहता को अपने घर बुलाकर उससे चार खाली चेकों पर हस्ताक्षर करवाए और उस से 6,00,000 का हलफ़नामा भी ले लिया। इसके उपरांत, सुनील कुमार ने थाना इस्लामाबाद में पारस मेहता के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई। इस पर पारस मेहता ने भी सुनील कुमार के विरुद्ध कमिश्नरेट अमृतसर में शिकायत दी। सुनील कुमार द्वारा दी गई शिकायत की जांच के लिए मामला ए.एस.आई. सतनाम सिंह को सौंपा गया। ए.एस.आई. ने पारस मेहता से संपर्क कर बताया कि वह शिकायत उसे मार्क करवा देंगे और मामले के निपटारे के लिए 1,00,000 रुपए रिश्वत की मांग की। उन्होंने तत्काल 20,000 रुपए की पहली किस्त देने के लिए कहा। शिकायतकर्ता अपने दोस्त के सही और उचित काम के लिए रिश्वत नहीं देना चाहता था। इस कारण, उसने पारस मेहता के साथ मिलकर इस पूरे मामले की रिपोर्ट डी.एस.पी., विजीलेंस ब्यूरो यूनिट, अमृतसर को दी। विजीलेंस ब्यूरो यूनिट, अमृतसर में शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के बाद, सरकारी गवाह की मौजूदगी में आरोपी को 20,000 रुपए की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। आरोपी के खिलाफ थाना विजीलेंस ब्यूरो, रेंज अमृतसर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 (भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 के तहत संशोधित) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच जारी है और आरोपी ए.एस.आई. को कल अदालत में पेश किया जाएगा।

चंडीगढ़ कॉपरेटिव बैंक दे चेयरमैन ने केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल जी से सहकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली में मुलाकात की

कैप्टन सुभाष चंद्र

चंडीगढ़ कॉपरेटिव बैंक दे चेयरमैन ने केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल जी से सहकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात के बाद सिद्धू ने बताया के मैंने पैक्स, गाँवों के मुद्दों और सीएससीबी के मुद्दों को उनके सामने रखा। चंडीगढ़ के मुद्दों के प्रति श्री मोहोल जी का रवैया बहुत सकारात्मक था और मुझे व्यक्तिगत रूप से उनसे बहुत ऊर्जा मिली।

सहकारी चुनाव प्राधिकरण ने नई दिल्ली में आज राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरणों के साथ अपनी पहली परामर्शदात्री बैठक आयोजित की

बैठक का उद्देश्य राज्य सहकारी चुनाव अधिकारियों के साथ संवाद का एक तंत्र विकसित करना है ताकि सहकारी निकायों के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सकें

पंकज

नई दिल्ली–सहकारी चुनाव प्राधिकरण (CEA) ने आज नई दिल्ली में राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरणों के साथ अपनी पहली परामर्शदात्री बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरणों के साथ संवाद का एक तंत्र विकसित करना है ताकि सहकारी निकायों में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न हों और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो। बैठक की अध्यक्षता सहकारी चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार सिंह ने की, जिसमें ओडिशा, बिहार, तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्य चुनाव आयुक्तों ने भाग लिया। बैठक में सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री आनंद कुमार झा, ष्ट्र के उपाध्यक्ष श्री आर. के. गुप्ता और सहकारिता लोकपाल श्री आलोक अग्रवाल ने भी भाग लिया 7 अवसर पर सहकारी चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में अनेक सुधार किये हैं, जिसमें सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना भी शामिल है। सहकारी चुनाव प्राधिकरण ने मार्च 2024 से अब तक 159 चुनाव संपन्न कराए हैं और आने वाले समय में 69अन्य सहकारी चुनाव कराने की प्रक्रिया जारी है। सहकारी चुनाव प्राधिकरण को बहु–राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 की धारा 45 और 2023 में इसके संशोधन द्वारा प्रदत्त केंद्र की शक्तियों का प्रयोग करते हुए 11 मार्च 2024 को अधिसूचित किया गया था। श्री देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए कई सुधार किए गए हैं।उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने

की आवश्यकता है ताकि सहकारी समितियों के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों सके।

सहकारी चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष ने कहा कि सहकारी चुनावों के लिए मानक नियमावली और आचार संहिता की आवश्यकता है। इस बैठक में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और बहु–राज्य सहकारी समितियों के लिए आचार संहिता तैयार करने, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा खर्च की अधिकतम सीमा तय करने, निर्वाचन अधिकारियों के लिए पुस्तिका प्रकाशित करने, राष्ट्रीय सहकारी समितियों के सदस्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों का चुनाव करने और राज्य से प्राप्त अन्य एजेंडे पर चर्चा की गई। भाग लेने वाले राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरणों ने सहकारी चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की शुरुआत के प्रस्ताव को भी एजेंडे में शामिल किया । श्री देवेन्द्र कुमार सिंह ने सदस्यों की शेयर पूंजी, प्रत्याशियों के लिए चुनाव चिन्ह तथा सहकारी चुनावों में अमिट स्याही के प्रयोग से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की तथा राज्यों से सुझाव आमंत्रित किए। CEA ने सहकारी चुनावों में सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए हर तीन महीने में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया। इस बैठक में राज्यों से, ओडिशा के राज्य चुनाव आयुक्त (श्री श्रीकांत प्रुस्ती, राज्य सहकारी चुनाव आयोग), बिहार (श्री गिरीश शंकर, बिहार राज्य चुनाव प्राधिकरण और श्री कुमार शांत रक्षित, सलाहकार, बिहार राज्य चुनाव आयोग), तमिलनाडु (तिरु दयानंद कटारिया, आयुक्त, तमिलनाडु राज्य सहकारी समिति चुनाव आयोग), महाराष्ट्र (श्री अनिल महादेव कवाडे, राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण, महाराष्ट्र राज्य और श्री अशोक गाडे, महाराष्ट्र राज्य चुनाव प्राधिकरण) और तेलंगाना (श्री जी श्रीविनास राव, आयुक्त, तेलंगाना सहकारी चुनाव प्राधिकरण) के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब ने फिरोज़पुर में त्रैमासिक पेंशन अदालत में सभी पेंशन शिकायतों का निपटारा किया

रमन कुमार

चंडीगढ़, – नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब दूरसंचार सर्किल ने 8 अगस्त, 2025 को महाप्रबंधक दूरसंचार जिला, बीएसएनएल, फिरोज़पुर के कार्यालय में अपनी त्रैमासिक पेंशन अदालत–सह–एलसी/डीएलसी शिविर और दूरसंचार आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। पंजाब सर्किल के संचार लेखा उप नियंत्रक, श्री अक्षय गुप्ता की अध्यक्षता तथा नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब कार्यालय के वरिष्ठ लेखा अधिकारी (पेंशन), श्री रामजी लाल यादव के मार्गदर्शन में आयोजित पेंशन अदालत में, दूरसंचार विभाग और बीएसएनएल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की कुल 20 पेंशन संबंधी शिकायतों का समाधान किया गया। सुनवाई कार्यक्रम की पूर्व सूचना हितधारकों को एसएमएस, ईमेल अथवा डाक के माध्यम से दी गई थी। श्री अक्षय गुप्ता ने पेंशनभोगियों की सुविधा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए पेंशन शिकायतों के समयबद्ध एवं प्रभावी निपटारे के महत्व पर बल दिया। पेंशन अदालत के साथ–साथ एक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें फिरोज़पुर मेडिसिटी सुपरस्पेशलिस्ट अस्पताल के डॉ. अश्विनी कुमार ने पेंशनभोगियों को सेवानिवृत्ति के बाद होने वाली जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक किया। पेंशनभोगियों ने उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब की संवेदनशीलता की

सराहना की। दोपहर के सत्र में आयोजित दूरसंचार आउटरीच कार्यक्रम में पंजाब एवं चंडीगढ़ के 24 लाइसेंसधारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में लाइसेंस शुल्क का समय पर भुगतान, त्रैमासिक एवं वार्षिक लेखापरीक्षित वित्तीय दस्तावेज़ों का प्रस्तुतिकरण, बैंक गारंटी का नवीनीकरण तथा राजस्व प्रबंधन सॉफ़्टवेयर (सारस) की कार्यप्रणाली जैसे विषयों पर चर्चा हुई। श्री अक्षय गुप्ता ने डिजिटल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाने और ग्रामीण व अर्ध–शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट पहुँच का विस्तार करने में स्थानीय आईएसपी ऑपरेटरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और लाइसेंसधारियों से नियामक आवश्यकताओं का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। माननीय प्रधानमंत्री के हरित क्रांति के दृष्टिकोण – ‘एक पेड़ माँ के नाम’ – के अनुरूप, कार्यक्रम में प्रतिभागियों को 70 पौधे वितरित किए गए। नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब ने पेंशन एवं दूरसंचार से संबंधित मामलों में पारदर्शिता, दक्षता एवं हितधारकों के साथ सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पंजाब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देख रहा है–मुख्यमंत्री

दिड़बा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का जायजा लिया, कहा, राज्य सरकार के पास विकास कार्यों के लिए फंडों की कोई कमी नहीं

एसके सक्सैना

सतौज (संगरूर), पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां कहा कि पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं और पंजाब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास का साक्षी बन रहा है। यहां दिड़बा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन परियोजनाओं पर काम पूरे जोर–शोर से चल रहा है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए और राज्य के विकास की गति को बढ़ावा देने के लिए इन परियोजनाओं को अमल में लाया जा रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसे विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है और आने वाले दिनों में ऐसी और परियोजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी। कृषि क्षेत्र के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने ट्यूबवेलों के उपयोग के बिना धान की बुआई सुनिश्चित करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि अब नहरी पानी राज्य के दूर–दराज के गांवों तक भी पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पदभार संभालने के बाद उनकी सरकार ने पूरे पंजाब में 15,947 जलमार्गों को पुनर्जनन किया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके साथ ही उनकी सरकार ने पंजाब के जल संसाधनों को अन्य

राज्यों की ओर मोड़ने की कोशिशों को पूरी तरह नाकाम कर दिया है और इन जल संसाधनों पर राज्य के अधिकार को पूरी तरह बरकरार रखा है। भगवंत सिंह मान ने मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में बात करते हुए कहा कि यह योजना देश भर में अपनी तरह की पहली योजना है, जो पंजाब के प्रत्येक निवासी परिवार के लिए 10 लाख रुपए तक का नकद–रहित चिकित्सा उपचार प्रदान करती है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य है, जो इतना व्यापक स्वास्थ्य देखभाल कवरेज प्रदान करता है, जो गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करते हुए जनता पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को सर्वव्यापी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती और किसान हमेशा उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता रहे हैं और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के अनुसार, उन्हें बिजली या नहरी पानी की कोई कमी नहीं है, जो हमारे लिए बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि किसानों के चेहरों पर मुस्कान वापस आते देख उन्हें बहुत खुशी होती है। लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी ग्रामीण उनके दिल के बहुत करीब हैं, जिसके कारण वे उनके साथ हर पल का आनंद लेना पसंद करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसे अवसरों पर ग्रामीणों के साथ जुड़कर उन्हें बहुत गर्व और संतुष्टि मिलती है और वे ग्रामीणों की भलाई के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने गांव के विकास को और बढ़ावा देने के लिए गांव की पंचायत को 1.76 करोड़ रुपए का चेक भी सौंपा।

भाजपा और चुनाव आयोग का चुनावी धोखाधड़ी पर पक्ष बेनकाब हुआ-वड़िंग

कहा, राहुल गांधी ने पेश किए पुख्ता सबूत

मनदीप कौर

अमृतसर, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि राहुल गांधी द्वारा पुख्ता सबूत पेश करने के बाद, चुनावी धोखाधड़ी पर भारतीय जनता पार्टी और भारत के चुनाव आयोग का पक्ष पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। यहां स्थानीय सांसद गुरजीत सिंह औजला, हरप्रताप सिंह अजनाला, डॉ. राज कुमार वेरका और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ यहाँ एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए, वड़िंग ने इस बात का पूरा ब्यौरा दिया कि कैसे भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत करके चुनावी धोखाधड़ी का सहारा ले रही है और चुनाव जीत रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव चोरी के अनोखे और नए तरीके लेकर आई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में पार्टी ने चार महीने के अंतराल में लगभग एक करोड़ वोट जोड़े। वहीं दूसरी ओर, बिहार में उसने 60 लाख से ज्यादा वोट काटे हैं। उन्होंने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का हवाला देते हुए, कहा कि दलितों और अल्पसंख्यकों को उनके मताधिकार से वंचित करने का प्रयास किया गया है, क्योंकि भाजपा का मानना है कि वे उसकी पार्टी को वोट नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा में बुरी तरह हारने के बाद, महाराष्ट्र में उसने चार महीनों के भीतर लगभग एक करोड़ मतदाताओं को जोड़ने की एक अनोखी और अलग रणनीति अपनाई। उन्होंने कहा कि इसका नतीजा यह हुआ कि लोकसभा चुनावों में पूरी तरह से जीत हासिल करने वाली भाजपा ने विधानसभा चुनावों में शुद्ध धोखाधड़ी से जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि अब भाजपा बिहार में इसके विपरीत रणनीति अपना रही है। महाराष्ट्र में जहाँ उसने एक करोड़ मतदाता जोड़े, वहीं पर अब बिहार में उसने लगभग 60 लाख मतदाताओं को हटा दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि ये मतदाता दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और मजदूर वर्ग से हैं। इन्हें इसलिए हटाया गया है, क्योंकि भाजपा जानती है कि दलित और अल्पसंख्यक भाजपा को वोट नहीं देते, इसलिए उन्हें मतदाता सूची से हटाना ही बेहतर है। उन्होंने दावा किया कि अब भाजपा की पोल खुल गई है। उन्होंने बताया कि कैसे राहुल गांधी ने ग्राफिक विवरण के साथ साबित किया कि कैसे भाजपा ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख फर्जी मतदाताओं को शामिल किया था। इसी तरह, बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को 1.16 लाख वोटों की बढ़त मिली थी। जिससे पार्टी ने वह सीट मात्र 32 हज़ार वोटों से जीती थी। अगर भाजपा ने फ़र्ज़ी वोट न बनाए होते, तो वह इस सीट पर बुरी तरह हार जाती।

भारत में कृषि क्रांति तेज गति से जारी

शिवराज सिंह चौहान
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, निरंतर सुधारों और किसान–केंद्रित पहलों के कारण कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है और देश ने धान, गेहूं, मक्का,

मूंगफली और सोयाबीन का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। कृषि वर्ष 2024–25 के लिए प्रमुख कृषि फसल उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024–25 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 353.96 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन होगा और वर्ष 2014–15 (252.02 मिलियन टन) की तुलना में यह 40 प्रतिशत अधिक रहेगा।

1960 के दशक से पहले की जड़ता और खाद्य असुरक्षा को पीछे छोड़ते हुए आजभारतीय कृषि खाद्य अधिशेष प्राप्त करने की स्थिति में आ गयी है, जिससे माल्थस की यह धारणा गलत साबित होती है कि जनसंख्या वृद्धि, खाद्य उत्पादन की तुलना में अधिक हो जाएगी। 1967 में, विलियम और पॉल पैडॉक ने भारत में अकाल की भविष्यवाणी की थी। उनका दावा था कि देश अपनी बढ़ती आबादी का पेट नहीं भर पाएगा। उन्होंने खाद्य सहायता केखिलाफ विवादास्पद तर्क दिया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे भविष्य में भुखमरी और बढ़ेगी।

उच्च उपज वाले चावल और गेहूं की किस्मों, कृषि रसायनों और सिंचाई से संचालित हरित क्रांति ने पैडॉक की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया। भारत का खाद्यान्न उत्पादन 1966–67 के 74 मिलियन टन से बढ़ाकर 1979–80 तक 130 मिलियन टन हो गया। वार्षिक वृद्धि 8.1 मिलियन टन (2014–2025) के शिखर–बिंदु को छूते हुए 354 मिलियन टन तक पहुंच गई। बागवानी फसलें भी 1960 के दशक के 40 मिलियन टन से बढ़कर 2024–25 में 334 मिलियन टन हो गई, जिसमें हाल ही में 7.5 मिलियन टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। विपरीत परिस्थितियों को सहन करने में सक्षम किस्मों और अनुकूलकृषि पद्धतियों में प्रगति के कारण फसल उत्पादन में भी अधिक स्थिरता आयी है।

भारत के डेयरी, मुर्गीपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1970 के दशक में शुरू हुई श्वेत क्रांति ने दूध उत्पादन को 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 2023–24 तक 239 मिलियन टन कर दिया, जो

पूरे यूरोप के बराबर है। 1980 के दशक की नीली क्रांति ने मछली उत्पादन को 2.4 मिलियन टन से बढ़ाकर 2024–25 तक 19.5 मिलियन टन कर दिया, जिससे भारत दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य उत्पादक और निर्यातक बन गया। मुर्गीपालन, घरेलूगतिविधि से आगे बढ़करएक उद्योग के रूप में विकसित हुआ, जिसमें अंडों का उत्पादन 10 बिलियन से बढ़कर 143 बिलियन हो गयाऔर इसी अवधि में मुर्गी के मांस का उत्पादन 113 हजार टन से बढ़कर 5,019 हजार टन हो गया।

2014–15 और 2023–24 के बीच, पशु–स्रोत से प्राप्त खाद्य के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई- दूध में सालाना 10.2 मिलियन टन, अंडों में 6.8 बिलियन इकाई, ब्रॉयलर मांस में 217 हजार टन और मछली (मुख्य रूप से जलीय कृषि) में 0.78 मिलियन टन की वृद्धि हुई। प्रजनन, संसाधन प्रबंधन और कुशल जनशक्ति में तकनीकी प्रगति ने इस तेज वृद्धि को गति दी है। फल, सब्ज़ियां और पशु उत्पाद जैसे उच्च–मूल्य वाले खाद्य पदार्थ अब खाद्यान्न वृद्धि से आगे निकल रहे हैं, जो कृषि विविधीकरण, बेहतर पोषण, किसानों की आय और जलवायु विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

भारत की खाद्य उत्पादन सफलता पोषण, किसानों की आय, जलवायु की विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता और निर्यात को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी व नीति की परिवर्तनकारी भूमिका को दर्शाती है। आईसीएआर के शोध से पता चलता है कि कृषि में निवेश पर उच्च आय प्राप्त होती है– अनुसंधान और विस्तार पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर क्रमशः 13.85 रुपये और 7.40रुपये। पीएमकेएसवाई (सिंचाई), पीएम–किसान (प्रत्यक्ष किसान सहायता), राष्ट्रीय पशुधन मिशन और नीली क्रांति जैसी हाल की सरकारी पहलों ने संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, जोखिमों को कम करके और कृषि–खाद्यप्रणाली में प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहन देकर कृषि विकास को और मजबूती दी है।

भारत में विभिन्न खाद्य पदार्थों का वार्षिक वृद्धिशील उत्पादन

अवधि	खाद्यान्न (मिलियन टन)	फल औरसब्जियां (मिलियन टन)	दूध (मिलियन टन)	समुद्री मछली (मिलियन टन)	अंतर्देशीय मछली (मिलियन टन)	मुर्गी का मांस (हजार टन)	अंडे (संख्या बिलियन में)	अनुसंधान एवं विकास पर वार्षिक व्यय (2011–12 के मूल्य पर अरब रुपये में)
1966–67 से 1979–80	2.7	1.3	0.9	–	–	2.1	0.4	11.3
1980–81 से 1989–90	6.1	2.0	2.2	0.08	0.06	21.4	1.1	20.9
1990–91 से 1999–2000	3.9	6.0	2.5	0.06	0.14	45.5	1.0	34.8
2000–01 से 2013–14	3.9	8.2	4.2	0.04	0.24	148.5	3.2	68.7
2014–15 से 2024–25	8.1	7.5	10.2*	0.12	0.78	217.0*	6.8*	116.3

*2023–24 तक

2047 तक, भारत ने विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसलिए इसकी अर्थव्यवस्था को सालाना 7.8प्रतिशतकी दर से वृद्धि करनी होगी।अनुमान है कि 2047 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी– जिसमें से आधी आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। इस बदलाव से खाद्यान्न की कुल मांग दोगुनी हो जाएगी, फलों, सब्जियों और पशु–आधारित खाद्य पदार्थों की मांग तिगुनी होने की उम्मीद है, जबकि अनाज की मांग स्थिर रहेगी, जिससे अधिशेष की स्थिति बनी रहेगी।

हालांकि, बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण कृषि भूमि 180 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 176 मिलियन हेक्टेयर और औसत भूमि जोत 1 से घटकर 0.6 हेक्टेयर रह जाएगी। इससे जल और कृषि रसायनों पर दबाव बढ़ेगा, जिससे संसाधनों का क्षरण होने का खतरा होगा। जलवायु परिवर्तन और भी बड़ा जोखिम है, जो स्थायी कृषि और ग्रामीण आजीविका को खतरे में डालता है।

भारत की उभरती कृषि–खाद्य चुनौतियां, उत्पादन–रणनीतियों में बदलाव की मांग करती हैं। प्रतिवर्ष 20 मिलियन टन चावल, जिसकी खेती में अधिक मात्रा में जल की जरूरत होती है, के निर्यात के बावजूद, भूजल की सतत उपलब्धता खतरे में है। इस बीच, भारत खाद्य तेलों और दालों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने और संसाधनों के संरक्षण के लिए, फसल नियोजन में स्थायी कृषि पद्धतियों के साथ–साथ तिलहन और दलहन जैसी जल–कुशल फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

विभिन्न बाधाओं के कारण कृषि कार्य में उपयोग न की जाने वाली 12 मिलियन हेक्टेयर चावल–परती भूमि परभारत दलहन और तिलहन की खेती का विस्तार कर सकता है। हालांकि, कम पैदावार– तिलहन में 18–40 प्रतिशत और दलहन में 31–37 प्रतिशत का अंतर – तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) 728 जिलों में 1.35 करोड़ किसानों तक पहुंचा, किसान–वैज्ञानिक प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से बेहतर कार्यप्रणालियों को बढ़ावा मिला। उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, सरकार ने मिशन–मोड में कई योजनाएं भी शुरू की हैं, जो तिलहन, दलहन और कपास के उच्च उपज वाले बीजों पर केंद्रित हैं।

कृषि अनुसंधान में लागत कम करने और जोखिमों का प्रबंधन करते हुए उत्पादकता, सहनीयता और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। समय पर जानकारी की बढ़ती मांग के साथ, एआई और डेटा विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरण वैश्विक कृषि अनुसंधान में बदलाव ला रहे हैं। भारत वर्तमान में अनुसंधान एवंविकासमें सालाना 116 बिलियन रुपये (कृषि–जीडीपी का 0.5 प्रतिशत) का निवेश करता है, इसके साथ ही वित्त पोषण बढ़ाने और मांग–आधारित दृष्टिकोण अपनाने की योजनाएं भी तैयार की गयी हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य विस्तार प्रणालियों और केंद्र–राज्य समन्वय को मज़बूत करने से अनुसंधान, किसानों के साथ और भी गहराई से जुड़ सकेगा।卐एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम卐 विज़न के अंतर्गत, आईसीएआर के नोडल अधिकारी विकसित भारत को समर्थन देने के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजनाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

श्री काली माता मंदिर में नतमस्तक हुए मुख्यमंत्री

पंजाब की शांति एवं विकास के लिए की प्रार्थना, मंदिर में चल रहे विकास की समीक्षा करने के लिए प्रबंधक कमेटी से की बैठक

पंकज

पटियाला, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज श्री काली माता मंदिर में माथा टेका और राज्य की और अधिक मिशनरी भावना एवं समर्पण के साथ सेवा करने के लिए माता रानी से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री दोपहर बाद श्री काली माता मंदिर पहुंचे और उन्होंने कहा कि वह परमात्मा के आशीर्वाद से लोगों की इच्छाओं पर खरा उतरने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे तथा सरकार द्वारा जन–हितैषी और विकास–मुखी नीतियों को लागू करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब की सांस्कृतिक राजधानी पटियाला में स्थित श्री काली माता मंदिर उत्तर भारत के पवित्र और ऐतिहासिक मंदिरों में से एक है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह मंदिर पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शाही संरक्षण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आज राज्य के अमन, तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मुख्य मंत्री ने मंदिर की नवनियुक्त प्रबन्धक कमेटी से भी विस्तार से मीटिंग की और इमारत में चल रहे विकास कार्यों संबंधी विचार विमर्श किया। उन्होंने कमेटी को इस नेक कार्य को पूरा करने में पूरा समर्थन और सहयोग देने का भरोसा दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार इस पवित्र स्थान के विकास के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने प्रार्थना की और राज्य के लोगों की पूरी ईमानदारी के साथ सेवा करने के लिए शक्ति प्रदान करने का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने माता रानी से आशीर्वाद मांगा कि वे जाति, रंग, नस्ल और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर लोगों की सेवा कर सकें ताकि खुशहाल समाज का निर्माण हो सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि समाज में प्यार, भाईचारा और सद्भावना जैसी मूल्यों को हर हाल में बनाए रखा जाएगा और यह हमारी सरकार की हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाब के लोगों की पूरी गंभीरता, समर्पण और वचनबद्धता के साथ सेवा करने का अवसर देने के लिए माता रानी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा और सकारात्मकता का स्रोत इस पवित्र स्थल पर आकर वह स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे यहां राज्य, उसकी शांति और तरक्की, जिसके लिए हमारी सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है, के लिए प्रार्थना करने आए हैं।

फील्ड दौरे के दूसरे दिन डीजीपी पंजाब ने फिरोजपुर, फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला रेंज में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की

पंजाब पुलिस एनडीपीएस एक्ट को पारदर्शी तरीके से लागू कर सीमा पार से नशे के खतरे को मिटाने के लिए प्रतिबद्ध–डीजीपी गौरव यादव

रमन कुमार

चंडीगढ़/फिरोजपुर/बठिंडा/पटियाला, 12 अगस्त–लगातार दूसरे दिन फील्ड दौरे पर रहे पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने आज स्वतंत्रता दिवस 2025 के मद्देनज़र फिरोजपुर, फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला रेंज के अधिकारियों के साथ कानून–व्यवस्था संबंधी समीक्षा बैठकें और आउटरीच सत्रों की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने फिरोजपुर, बठिंडा और पटियाला जिलों का दौरा किया। एनडीपीएस एक्ट को पारदर्शी तरीके से लागू कर सीमा पार से होने वाली नशा तस्करी को समाप्त करने की पंजाब पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए, डीजीपी गौरव यादव ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुरूप स्वतंत्रता दिवस के शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद–रोधी तैयारियों, अंतर–जिला तालमेल, मज़बूत नाके और सतत निगरानी संबंधी रणनीतिक निर्देश दिए। डीजीपी ने 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत किए जा रहे कार्यों की सराहना की और नशा विरोधी अभियान को और तेज़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68–एफ के तहत कार्रवाई करने और हवाला ऑपरेटरों के खिलाफ वित्तीय जांच करने के निर्देश दिए, ताकि नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क का सफाया किया जा सके। सभी एसएसपी को उन्होंने महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस की तैनाती सुनिश्चित करने, शांति और सद्भाव बनाए रखने, डॉमिनेशन ऑपरेशनों के साथ–साथ अन्य रोकथाम और खुफिया कार्रवाइयों को तेज़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस बल को मौजूदा सुरक्षा माहौल से अवगत करवाया और आतंकवाद–रोधी रणनीतियों की भी समीक्षा की। इस दौरे के दौरान डीजीपी ने एसएचओ सहित सभी रैंकों के अधिकारियों से सीधे संवाद करते हुए अंतर–जिला तालमेल मज़बूत करने और ड्रग सप्लाई चेन को नष्ट करने के लिए खुली चर्चा व ज़मीनी स्तर की महत्वपूर्ण जानकारियों के आदान–प्रदान पर ज़ोर दिया। डीजीपी ने बताया कि इस दौरे के दौरान उन्होंने सभी एसएचओ — जो पंजाब पुलिस की रीढ़ हैं — के साथ फीडबैक सत्र किया। इस बातचीत से उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी और रचनात्मक सुझाव प्राप्त हुए, जो सार्वजनिक सुरक्षा और जन कल्याण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को और मज़बूत करेंगे। इस अवसर पर डीआईजी फरीदकोट रेंज अश्विनी कपूर, डीआईजी बठिंडा रेंज हरजीत सिंह, डीआईजी पटियाला रेंज कुलदीप सिंह चहल, एसएसपी फिरोजपुर भूपिंदर सिंह, एसएसपी तरन तारन दीपक पारिक, एसएसपी फाजिल्का गुरमीत सिंह, एसएसपी फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन, एसएसपी श्री मुक्तसर साहिब अखिल चौधरी, एसएसपी मोगा अजय गांधी, एसएसपी बठिंडा अमनीत कोंडल, एसएसपी मानसा भागीरथ मीना, एसएसपी पटियाला वरुण शर्मा, एसएसपी संगरूर सरताज चहल, एसएसपी मालेरकोटला गगन अजीत सिंह और एसएसपी बरनाला सरफराज आलम सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी बैठक में उपस्थित रहे।

भारत के हथकरघा-विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

(माननीय वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा द्वारा 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर लिखा गया लेख)

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे–दर–धागा, कहानी–दर–कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने–बाने में बदल गया।

हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध–शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72ब्र महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत

भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता–फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर–तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग।

एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के ऋआँगनऋ के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, ऋहथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।ऋ

पूर्वोत्तर- अवसरों का एक करघा–देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52ब्र पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैंऔर 2019–20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। ऋअसम का मैनचेस्टरऋ कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं।

इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिज़ाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इम्फाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएँ चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं। पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक

पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय

सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुँच ने बुनाई को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है।

राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्रदान करके शुरू–से–अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुँच का विस्तार किया है।

बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयाँ, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग–एंड–प्ले) कार्यशालाएँ, डिजिटल प्रयोगशालाएँ, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएँ शामिल होंगी।

साथ ही, निफ्ट, एनआईडी और अन्य डिज़ाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिज़ाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ डिज़ाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह–निर्माण, संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिज़ाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तकनीक को अपनाना ज़रूरी है, लेकिन हथकरघा की आत्मा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। अब एआई का उपयोग रुझानों की भविष्यवाणी और डिजिटल रंग चयन के लिए किया जा रहा है, जबकि ब्लॉकचेन उत्पाद का पता लगाना सुनिश्चित करता है और जालसाजी का मुकाबला करते हुए इस क्षेत्र को नए डिजिटल युग में ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ाता है।

संयोजन की पुनर्कल्पना- ई–कॉमर्स और बाज़ार पहुँच

विपणन और ई–कॉमर्स गेम–चेंजर के रूप में कार्य करेंगे। रणनीति सरल लेकिन क्रांतिकारी है- बिचौलियों को खत्म करना, प्रचार के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाना और बुनकरों को प्रारंभ से ही मंचों, प्रदर्शनियों और बाज़ारों से सीधे जोड़ना। इसी क्रम में, हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा जा रहा है और द्वड्डस्त्रद्वड्डद्धड्डस्त्रद्वड्डस्त्रद्व.ष्श्द्व एक पारदर्शी, शून्यकमीशन वाला मंच प्रदान कर रहा है, जो उचित पारिश्रमिक, वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की निःशुल्क व्यवस्था, आसान वापसी और सुरक्षित भुगतान विकल्प सुनिश्चित करता है।

इन प्रयासों के पूरक के रूप में, 106 हथकरघा उत्पादों को पहले ही भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किए जा चुके हैं, जो उनकी अनूठी क्षेत्रीय विरासत और शिल्प कौशल का सम्मान करते हैं। %हथकरघा चिह्न% और %भारतीय हथकरघा ब्रांड% के साथ, ये उपाय हाथ से बुने हुए उत्पादों की विशिष्ट पहचान को मज़बूत करते हैं, और खरीदारों को उनकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और पर्यावरण–अनुकूलता का आश्वासन देते हैं।

कौशल, सुरक्षा और स्थायित्व

आने वाला कल समावेशी क्षमता निर्माण पर निर्भर करता है। विशेष रूप से पारंपरिक तकनीकों के संरक्षण की दृष्टि से युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ जोड़े गए हैं – जिनमें स्वास्थ्य बीमा, शैक्षिक छात्रवृत्ति और बुनकरों के लिए पेंशन लाभ शामिल हैं।

साथ ही, पर्यावरण–अनुकूल रंग, कार्बन उत्सर्जन न करने वाले उत्पादन मॉडल और जीवन–चक्र मूल्यांकन इस क्षेत्र की स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं, और भारतीय हथकरघा को वैश्विक हरित आंदोलन के साथ जोड़ते हैं। वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आईआईटी दिल्ली द्वारा तैयार की गई ऋभारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन आकलन- विधियाँ और केस स्टडीज़ऋ शीर्षक वाली नई रिपोर्ट, एक संदर्भ और मार्गदर्शिका दोनों का काम करती है, जो भारत के लिए अधिक स्थायी संस्करण का मार्ग प्रशस्त करती है। पारंपरिक हथकरघा प्रथाओं में पर्यावरणीय चेतना को समाहित करके, यह अध्ययन सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति वस्त्र मंत्रालय की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि हथकरघा मूल्य श्रृंखला न केवल जलवायु–सहनीय हो, बल्कि नैतिक उत्पादन, समान मजदूरी और सम्मानजनक आजीविका पर भी आधारित हो।

भविष्य का मार्ग- सतत, समर्थन, पैमाना

भारत के हथकरघा क्षेत्र का दृष्टिकोण आंशिक रूप से सांस्कृतिक, आंशिक रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित और पूरी तरह से मानवीय है। महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में निर्यात में वृद्धि, नए रोजगार सृजित करना और विभिन्न समूहों के बुनकरों को डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है। भविष्य तीन स्तंभों पर टिका है- आत्मा को बनाए रखना, निर्माता का समर्थन करना और पहुँच का विस्तार करना।

पारिश्रमिक से आगे बढ़ते हुए, इस क्षेत्र का उद्देश्य फेलोशिप, स्टार्टअप अनुदान और इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना है तथा विशेष रूप से अग्रणी युवाओं और महिलाओं को प्रोत्साहित करना है। ब्रांडिंग, मार्गदर्शन व सहायता और व्यवसाय विकास सहायता स्वामित्व–आधारित उद्यमों को बढ़ावा देगी, जो सांस्कृतिक रूप से प्रामाणिक और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक दोनों होंगे।

भारत का हथकरघा क्षेत्र निरंतर विकसित हो रहा है...

हथकरघा 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा में एक प्रमुख प्रेरक शक्ति बना हुआ है, साथ ही देश के सांस्कृतिक लोकाचार को संरक्षित कर रहा है और स्थायित्व एवं विवेकपूर्ण उपभोग को बढ़ावा दे रहा है। प्रतिरोध के एक साधन से नवाचार के एक प्रकाश स्तंभ तक की यात्रा, हथकरघा के कालातीत महत्व को दर्शाती है, जो आने वाले युगों में एक शाश्वत छाप छोड़ती है। विरासत, नवाचार औरसामूहिक प्रयास को एक साथ बुनकर, भारत का हथकरघा क्षेत्र दुनिया को प्रेरित करने और देश में लाखों लोगों को सशक्त बनाने के लिए तैयार है। जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने परिकल्पना की है, ऋआइए हम हथकरघा को अपने दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएँ और अपने पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को वह दर्जा दें, जिसके वे हकदार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत के किसानों, डेयरी उत्पादकों और संबद्ध उद्योगों के हितों की साहसिक रक्षा करने के निर्णय का हार्दिक स्वागत -विजय सांपला

मनदीप कौर

जालंधर ( )भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय सांपला ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बयानबाजी के खिलाफ और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्र के प्रति अहम फैसलों पर सहमति जताते हुए गंभीरता से पक्ष रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत के किसानों, डेयरी उत्पादकों और संबद्ध उद्योगों के हितों की साहसिक रक्षा करने के निर्णय का हार्दिक स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि ट्रंप के अमेरिकी दबाव में टैरिफ घटाने या स्वास्थ्य मानकों में ढील देने से भारी मात्रा में सब्सिडी वाला अमेरिकी दूध/कृषि उत्पाद भारतीय बाजारों में आ जाएंगे।इससे दूध के भाव गिरकर छोटे व सीमांत डेयरी किसानों जिनकी आय दूध बेचने पर निर्भर है उनका अस्तित्व संकट में आ जाएगा।उन्होंने कहा कि इस पर प्रधानमंत्री का रुख स्पष्ट है कि अमेरिका के हॉर्मोन युक्त दूध या मांसाहारी आहार से पले गोवंश के दूध का आयात,हिंदू आस्था के मूलभूत सिद्धांतों गौ माता की पवित्रता के विपरीत है।उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं,भारतीय सनातन संस्कृति से समझौता करने जैसा है।ट्रंप की बयानबाजी जिसमें भारत की खाद्य आत्मनिर्भरता को कमजोर करेगी।देशी डेयरी प्रोसेसिंग, मिठाई व पनीर उद्योगों के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी।मेक इन इंडिया डेयरी सेक्टर के विकास में बाधा बनेगी।विजय सांपला ने कहा कि मोदी जी का इसके अनुरूप किसान प्रथम दृष्टिकोण का निर्णय साबित करता है कि सरकार विदेशी कॉर्पोरेट हितों से ऊपर भारत के अन्नदाता को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने धार्मिक–सांस्कृतिक मर्यादा की अटल रक्षा की है और राष्ट्रीय गौरव की बात सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि गोवंश से जुड़े धार्मिक विश्वासों की रक्षा करना भारत की सांस्कृतिक संप्रभुता बनाए रखने के समान है। विजय सांपला ने कहा कि मोदी का साहसिक नेतृत्व भारतीय कृषि की रीढ़ और छोटे किसान, डेयरी सहकारियाँ और हमारी सभ्यतागत मान्यताओं को असमान व्यापार समझौतों की बलि नहीं चढ़ने देगा और यह स्वदेशी हितों,सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक न्याय की जीत है।इस मौके भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा,जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की,राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश शर्मा,जिला प्रवक्ता सन्नी शर्मा,मंडल अध्यक्ष सागर जॉर्ज,दीवान अमित अरोड़ा, गौरव राय आदि उपस्थित थे।

मोदी सरकार विदेशी कॉर्पोरेट हितों से ऊपर भारत के अन्नदाता को दे रही प्राथमिकता—विजय सांपला

महान शहीदों के नक्शेकदम पर चलकर पंजाब और पंजाबियों की सेवा कर रहे हैं–मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों के अनुकरणीय योगदान को याद किया, शहीद भगत सिंह ढढोगल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

कैप्टन सुभाष चंद्र

ढढोगल (संगरूर), मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब सरकार महान शहीदों के नक्शेकदम पर चलते हुए राज्य के विकास और लोगों की भलाई, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और दबे–कुचले वर्गों के लिए कल्याणकारी कार्यों को सुनिश्चित कर रही है। आज यहां शहीद भगत सिंह ढढोगल की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र धरती को महान गुरुओं, संतों–महापुरुषों, पीरों और शहीदों का आशीर्वाद प्राप्त है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों में कठिन परिश्रम करने का अमिट जज्बा है, जिसके कारण उन्होंने हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में सामाजिक रिश्तों की डोर इतनी मजबूत है कि इस उपजाऊ जमीन पर कुछ भी उगाया जा सकता है, लेकिन नफरत का बीज कभी नहीं उग सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब महान गुरुओं, संतों और पैगंबरों की पवित्र धरती है, जिन्होंने हमें आपसी प्रेम और सहिष्णुता का मार्ग दिखाया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों ने हमेशा प्रेम और सद्भावना को मजबूत करते हुए जुल्म, अन्याय और अत्याचार का विरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए बड़े प्रयास कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक नागरिक को आजादी का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के 75 साल से अधिक समय बीत जाने के

बाद भी आजादी का लाभ हर घर तक नहीं पहुंचा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने नशीले पदार्थों जैसे चिट्टे को फैलाने, लोगों को लूटकर धन इकट्ठा करने, भ्रष्टाचार की गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों के लिए आजादी का दुरुपयोग किया।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहीदों के सपने अभी तक पूरे नहीं हुए हैं क्योंकि इन लोगों ने इसके लिए कभी कोई ठोस प्रयास नहीं किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई है और सत्ता में बैठे लोगों से उन्हें अपनी देशभक्ति के लिए किसी भी तरह के एन.ओ.सी. की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इन महान देशभक्तों और राष्ट्रीय नेताओं के प्रति इस तरह का अनादर किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी लोगों की परवाह नहीं की और सिस्टम को तबाह कर दिया, जिसके कारण निराश होकर युवा विदेश जाना चाहते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछली सरकारों की खराब कार्यप्रणाली के कारण राज्य के युवाओं को उस देश में जाकर काम करना पड़ा, जिसके शासकों को हमारे शहीदों और देशभक्तों ने देश से भगा दिया था। पिछली सरकारों के नेताओं पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने सरकारी पदों का दुरुपयोग करके अथाह संपत्ति इकट्ठी की और अपने लिए बड़े–बड़े महलनुमा घर बनाए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनके महलों की ऊंची दीवारें और बड़े दरवाजे आमतौर पर लोगों के लिए बंद ही रहते थे और जिस तरह ये नेता लोगों की पहुंच से बाहर रहते थे, उसी तरह पंजाब के लोगों ने भी उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि पारंपरिक राजनीतिक दलों के उदासीन रवैये के कारण राज्य के विकास की गति भी पीछे रह गई। उन्होंने कहा कि इन दलों के नेताओं ने अपने रसूख और शक्तियों का दुरुपयोग करके राज्य की युवा पीढ़ी को बर्बादी की ओर धकेल दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन नेताओं ने कभी भी लोगों की भलाई के बारे में नहीं सोचा, बल्कि उनका ध्यान केवल अपने परिवारों को समृद्ध करने पर रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार की ओर से %हिंद दी चादर% (मानवता के रक्षक) श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व के ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए ऐतिहासिक समारोह आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब के चरण छोह गांवों और नगरों का व्यापक विकास सुनिश्चित किया जाएगा, जिसके लिए विस्तृत योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए गुरु साहिब की शानदार विरासत को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ
आज तक आमने-सामने
पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा
Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com
RNI No-Punhin2013/54688

पंजाब के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति के साथ मनाया राखी का त्योहार

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने विद्यार्थियों को राष्ट्रपति से बातचीत करने और अविस्मरणीय यादें संजोने के अवसर पर दी बधाई

पंकज

चंडीगढ़, –पंजाब के लिए गर्व की बात है कि राज्य के सरकारी स्कूलों के दस विद्यार्थियों को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राखी के त्योहार से संबंधित आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने और देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने इन विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों को इस विशिष्ट कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि कुल 10 विद्यार्थी– ऊषा रानी, महकदीप कौर, पिंकी कौर, अरशदीप कौर, बिमनदीप कौर, प्रीतजोत कौर, बलजिंदर कौर, वीरपाल कौर, सुनीता कौर और सहजदीप कौर– को राष्ट्रपति से बातचीत करने, भारत की

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रंग में रंगने और अविस्मरणीय स्मृतियाँ बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन में राखी, जो भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार है, के उत्सव में शामिल इन विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की युवाओं की प्रतिभा को निखारने और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को उजागर किया। उल्लेखनीय है कि राखी के त्योहार के अवसर पर देश भर से आए विद्यार्थियों के साथ इन विद्यार्थियों ने पंजाब के विभिन्न सरकारी स्कूलों का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम ने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और एकता की उस भावना को प्रदर्शित किया, जो इसके नागरिकों को एक सूत्र में बांधकर रखती है।

रक्षाबंधन पर्व पर आई टी बी पी के जवानों को साध्वी बहनों ने बांधी राखी

जालंधर (मनदीप कौर) देशभर में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है, और इस खास मौके पर आई टी बी पी के जवानों के प्रति सम्मान और भाईचारे की भावना को दर्शाने के लिए दिव्य ज्योति जागृती संस्थान के संस्थापक एवं संचालक गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्याओं, साध्वी बहनों द्वारा उन्हें राखी बांधी गई। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करना था, बल्कि उनके कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्यों के लिए आभार भी व्यक्त करना था, जिनके कारण देश की सीमा सुरक्षित रहती है। रक्षाबंधन के इस पर्व के दौरान, साध्वी बहनों ने आई टी बी पी के जवानों को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख–समृद्धि की कामना की। जालंधर शाखा प्रमुख साध्वी पल्लवी भारती जी ने कहा, ‘‘हमारा देश हमारे सैनिकों की सुरक्षा और समर्पण के कारण सुरक्षित है। इस दिन हम उनका आभार व्यक्त करते हुए उनके साथ भाई–बहन के रिश्ते की भावनाओं को साझा करते हैं। आई टी बी पी 30वीं के कमांडेंट बूटा सिंह एवं डिप्टी कमांडेंट बलवंत राज तथा उपस्थित जवानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनके मनोबल को और बढ़ाता है और उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक प्रेरित करता है। उनका कहना था कि यह देशवासियों से मिल रहे इस समर्थन से उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इस अवसर पर स्वामी सज्जनानंद जी, साध्वी कात्यानी भारती जी साध्वी रीना भारती जी, सुखदेव सिंह सुखी, कमल कुमार, वरिंदर जस्सी, सूरज डोगरा सहित और आई टी बी पी के अधिकारी भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम देशवासियों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को प्रगाढ़ करने का प्रतीक बना। इस मौके पर कमांडर बूटा सुमन जी 30 बटालियन आईटीबीपी सराय खास जालंधर डीसी सहायक कमांडर, रूप चंद सहायक सेनानायक, मोहित कुमार, सहायक सेनानायक अरुण कुमार जी, सहायक सेनापति, हरिश्चंद्र इंस्पेक्टर – त्रिभुवन कटोच आदि मौजूद थे

पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जालंधर के लोगों को दी बड़ी सौगात, अमृतसर से कटरा का सफर सिर्फ 5 घंटे 35 मिनट में पूरा होगा

कैप्टन सुभाष चंद्र

जालंधर, 10 अगस्त 2025। पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने आज जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर अमृतसर से मां वैष्णो देवी के दरबार कटरा जाने के लिए नई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान भाजपा के कई नेता मौजूद थे। इससे पहले सिटी रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर वंदे भारत एक्सप्रेस का सभी ने स्वागत किया। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बेंगलुरु से तीन वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात देश वासियों को दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु से अमृतसर से मां वैष्णो देवी के दरबार कटरा जाने के लिए नई वंदे भारत एक्सप्रेस को ऑनलाइन हरी झंडी दिखाई है। सुशील रिंकू ने कहा कि 11 अगस्त से आम लोग इसमें सफर कर

सकेंगे। यह ट्रेन उत्तर रेलवे के तहत चलेगी और मंगलवार को छोड़कर हर दिन चलेगी। अमृतसर से कटरा का सफर सिर्फ 5 घंटे 35 मिनट में पूरा होगा, जिससे श्रद्धालुओं को तेज, आरामदायक और समय बचाने वाला विकल्प मिलेगा। सुशील रिंकू ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नंबर 26405/26406 होगा और इसका रूट अमृतसर, ब्यास, जालंधर सिटी, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी होकर कटरा तक होगा। इससे पहले दिल्ली–कटरा और कटरा–श्रीनगर रूट पर वंदे भारत सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं, जो यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय साबित हुई हैं। सुशील रिंकू ने कहा कि नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के शुरू होने से अमृतसर और आसपास के जिलों से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा काफी आसान और तेज हो जाएगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब खासकर जालंधर के लोगों को बड़ी सौगात बताया है। ट्रेन रवांगी में साथ में केडीभंडारी, मनोरंजन कालिया, राकेश राठौड़, शीतल अंगुराल, सर्बजीत मक्कड़, जगबीर बराड़, जिला प्रधान सुशील शर्मा, अशोक सरीन हिक्की, राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी, अमरजीत सिंह अमरी, अजय बब्बल, तलविंदर सोई, सरताज सिंह, अमित संधा, साथ में माजूद थे।

हाईकोर्ट के फैसले ने भगवंत मान सरकार की लैंड पूलिंग साजिश की खोली पोल - तरुण चुग

मनदीप कौर

चंडीगढ़, –भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा आम आदमी पार्टी की लैंड पूलिंग नीति पर रोक लगाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इसे पंजाब के किसानों की जीत और न्याय की दिशा में पहला निर्णायक कदम बताया। तरुण चुग ने कहा कि यह नीति न तो कानूनी रूप से वैध है, न ही इसमें किसानों की सहमति है, और इसे पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन जैसी अनिवार्य प्रक्रियाओं के बिना ही जबरन लागू किया जा रहा है। चुग ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, ‘‘यह कोई नीति नहीं, बल्कि एक दिनदहा? लूट की योजना है, जिसके ज़रिए केजरीवाल अपने बिल्डर दोस्तों को पंजाब की उपजाऊ ज़मीन सौंपना चाहते हैं। चुग ने आरोप लगाया कि इस पूरे खेल के पीछे

केजरीवाल और दिल्ली के चुनिंदा रियल एस्टेट लॉबी के बीच ?30,000 करोड़ का एक गुप्त सौदा है। उन्होंने कहा, ‘‘यह विकास का मामला कभी था ही नहीं। यह तो एक राजनीतिक सौदा है, जिसमें पंजाब की 75,000 एक? ज़मीन को चुनावी चंदे के बदले गिरवी रखा जा रहा है। भगवंत मान मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि दिल्ली की बिल्डर माफिया का एजेंट बनकर काम कर रहे हैं।

जोगा सिंह की गिरफ्तारी से 2015 के ड्रग रैकेट में अन्य आरोपियों का पर्दाफाश होने की उम्मीद -हरपाल सिंह चीमा

कहा, आरोपियों के अकाली दल और कांग्रेस से कथित राजनीतिक संबंधों के कारण मामले में हुई दशकभर की देरी

कैप्टन सुभाष चंद्र

चंडीगढ़–पंजाब के वित्त मंत्री एवं 'युद्ध नशों विरुद्ध' कैबिनेट सब कमेटी के अध्यक्ष, एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज घोषणा की कि विधायक सुखपाल सिंह खैहरा के पूर्व सुरक्षा अधिकारी जोगा सिंह की गिरफ्तारी, 2015 के गुरदेव सिंह देबी ड्रग रैकेट के पीड़ितों के लिए न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि इस मामले में दशकभर से चली आ रही देरी, आरोपियों के शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस नेतृत्व से राजनीतिक संबंधों के कारण हुई है। यहाँ पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जोगा सिंह की गिरफ्तारी से जुड़े घटनाक्रम का विवरण दिया। 28 सितंबर 2023 को आरोपी नामित होने के बाद से ही जोगा सिंह फरार था। अक्टूबर 2023 में फाजिल्का की सेशन अदालत और जनवरी 2024 में हाई कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पुलिस के कई छापों के बावजूद, वह फरार रहा। नवंबर 2023 में विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के चलते, ऑस्ट्रेलिया भागने की कोशिश करते समय, जोगा सिंह को अंततः नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। उसे ट्रांजिट

रिमांड पर लाया गया और जलालाबाद की अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे पांच दिन का पुलिस रिमांड मिला है। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे खुलासा किया कि जोगा सिंह ने सुखपाल सिंह खैहरा और इस मामले में आरोपी गुरदेव सिंह तथा उसकी यूके स्थित बहन चरनजीत कौर के बीच बातचीत में मुख्य भूमिका निभाई। वित्त मंत्री ने कहा कि जब गुरदेव सिंह भगोड़ा था, तो जोगा सिंह ने इन कॉलों के प्रबंध के लिए अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया। उन्होंने आगे कहा कि कॉल डिटेल विश्लेषण से कई मामले सामने आए हैं, जहाँ जोगा सिंह और गुरदेव सिंह एक ही स्थान पर थे, यहाँ तक कि खैहरा की अनुपस्थिति में भी।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 1 मार्च 2025 से शुरू हुई प्रदेश की ‘युद्ध नशों विरुद्ध’ मुहिम की अब तक की सफलता के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत से अब तक, एनडीपीएस एक्ट के तहत 16,062 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 25,177 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, नशा तस्करों से संबंधित 178 अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया है। अब तक जब्त किए गए नशीले पदार्थों में 1,044 किलोग्राम हेरोइन, 21,309 किलोग्राम भूकी, 365 किलोग्राम अफीम और लगभग 32 लाख गोलियां व कैप्सूल शामिल हैं।

रखड़ पुण्या के अवसर पर राजनीतिक कांफ्रेंस

वड़िंग ने विभाजनकारी और राष्ट्र–विरोधी ताकतों को हराने का आह्वान किया, कहा- आप ने पंजाब को गैंगस्टर लैंड में बदला

रमन कुमार

बाबा बकाला (अमृतसर), पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए, कहा है कि उसने पंजाब को गैंग लैंड बना दिया है और राज्य को पूरी तरह अराजकता की ओर धकेल दिया है। रखड़ पुण्या के अवसर पर आज यहाँ आयोजित एक राजनीतिक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, अमृतसर से सांसद गुरजीत सिंह औजला, पूर्व सांसद जसबीर सिंह डिम्पा, सुखविंदर डैनी, भगवंत पाल सिंह सच्चर और अन्य कांग्रेस नेताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आप सरकार द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दी जा रही धमकियों और अत्याचारों को न तो भुलाया जाएगा व न ही माफ़ किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने पंजाब में खालिस्तान का नारा लगाने की कोशिश करने वालों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसी विभाजनकारी और राष्ट्र–विरोधी विचारधारा आम पंजाबियों को कतई स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाँ, हमें पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत के लिए केंद्र से लड़ना होगा, लेकिन अपने देश का हिस्सा बनकर, अलग होकर नहीं। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि पंजाब भारतीय राष्ट्र का सबसे मज़बूत स्तंभ है। आप सरकार की आलोचना करते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इसने पंजाब को

बर्बादी और दिवालिएपन की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और कर्ज़ बढ़कर लगभग 5.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी के साथ ही, कानून–व्यवस्था की स्थिति अपने सबसे बुरे दौर से गुज़र रही है और गैंगस्टर राज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप के पिछले साढ़े तीन साल के शासन के दौरान राज्य में कोई नया निवेश नहीं हुआ है। इसके विपरीत, कई व्यापारी सुरक्षा के कारणों से पंजाब छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में भय का माहौल है और लोग डरे व सहमे हुए हैं।

इस बीच, वड़िंग ने एक बार फिर आप सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी के प्रति अपनी पार्टी का कड़ा विरोध दोहराया। उन्होंने कहा कि एक ओर यह किसानों की ज़मीन लूटने की योजना है, वहीं दूसरी तरफ यह योजना राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को तहस–नहस करने की क्षमता रखती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस पॉलिसी को कभी भी लागू नहीं होने देगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की कि राज्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमकाने, परेशान करने और उन पर अत्याचार करने वालों को न तो भुलाया जाएगा और न ही माफ़ किया जाएगा। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़े हर केस व घटना की जाँच की जाएगी और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाएगी।